वर्ष : 35 | अंक : 26 | मुंबई, गुरुवार, 9 अप्रैल 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ईरान को हथियार देने वालों पर 50 फीसदी टैरिफ

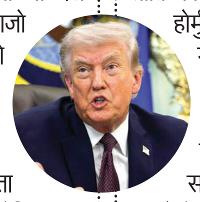

ट्रंप ने कहा समझौते के तुरंत बाद एक नई धमकी दी। उन्होंने कहा कि जो भी देश अमेरिका से आयातित सैन्य साजो सामान या हथियार ईरान को उपलब्ध कराएगा उसपर 50 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ काम कर रहा। ईरान सत्ता परिवर्तन की तरफ बढ़ रहा। अमेरिका ईरान के साथ टैरिफ और प्रतिबंधों में राहत देने से जुड़े बिंदुओं पर विचार कर रहा

'हमें उम्मीद आगे सब अच्छा होगा'

ट्रंप ने कहा कि सभी की तरह ईरान भी शांति का पक्षधर है। अमेरिका समुद्री मार्ग होर्मुज में यातायात सामान्य करने में मदद करेगा। आने वाले समय में और भी सकारात्मक फैसले होंगे। बड़ा पैसा भी बनेगा। उन्होंने कहा, ईरान दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर सकता है। हम सभी तरह की आपूर्ति को तैयार हैं और उम्मीद करते हैं कि आगे भी सब अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि ये मध्यपूर्व के लिए स्वर्णिम काल होगा।

संघर्षविराम

अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग दो सप्ताह के लिए थमी

एजेंसी | तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान से 39 दिन की जंग के बाद ईरानी सभ्यता खत्म करने की धमकी की समयसीमा खत्म होने से पहले दो सप्ताह के लिए संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। इस ऐलान के साथ ही पूरी दुनिया ने सुकून की सांस ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार तड़के घोषणा करते हुए कहा कि ईरान 15 बिंदुओं पर संघर्ष विराम को राजी हो गया है। पाकिस्तान ने अमेरिका- ईरान को वार्ता के लिए शुक्रवार को इस्लामाबाद आमंत्रित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा संघर्ष विराम की घोषणा के बाद ईरानी समाचार पत्र तेहरान टाइम्स ने दावा किया कि ईरान ने इसके लिए दस शर्तें रखी हैं। इसमें परमाणु संवर्धन के साथ अमेरिकी प्रतिबंधों को पूरी तरह से हटाने के अलावा कई शर्तें शामिल हैं। ट्रंप ने संघर्ष विराम से जुड़े बिंदुओं के बारे में विस्तार से जानकारी देने से मना कर दिया।

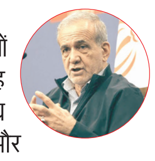

"ईरान के मूल सिद्धांतों पर आधारित यह संघर्ष विराम राष्ट्रीय एकता और देश के लोगों की दृढ़ता और शहीदों की शहादत का परिणाम है। हम हर हालात में कूटनीति, रक्षा, सार्वजनिक जीवन और सेवा क्षेत्र में पूरी हिम्मत से एकजुट रहे और आगे भी रहेंगे।

-मसूद पजेकशियन, राष्ट्रपति, ईरान

संघर्ष विराम लेबनान पर लागू नहीं

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान से हुआ संघर्ष विराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। वहीं पाक प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि संघर्ष विराम के दायरे में लेबनान भी आएगा। इजरायली सेना ने कहा कि हिज्बुल्ला के खिलाफ जंग जारी रहेगी। सेना की जमीनी कार्रवाई जारी रहेगी क्योंकि लेबनान संघर्ष विराम के दायरे में नहीं आता है।

दोनों पक्ष आमने- सामने की बैठक करेंगे

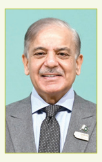

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि अमेरिका- ईरान और उनके सहयोगी संघर्ष विराम को तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान ने शुक्रवार को अमेरिका और ईरान को इस्लामबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। दोनों पक्ष आमने- सामने की बैठक करेंगे जहां सभी मुद्दों का हल निकालने पर मंथन होगा। शरीफ ने कहा कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजेकशियन ने पाक की तरफ से इस्लामाबाद में वार्ता की पेशकश को स्वीकार लिया है।

परमाणु संवर्धन की इजाजत अफवाह

फारसी भाषा में वायरल शर्तों में दावा किया गया कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु संवर्धन करने की इजाजत दे दी है। इस दावे को ट्रंप ने खारिज कर दिया। हालांकि उन्होंने ये जरूर कहा कि अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज के आसपास तैनात रह सकते हैं। मालूम हो कि होर्मुज के रास्ते दुनिया का 20 फीसदी कच्चा तेल गुजरता है जबकि ईरान अपना 90 फीसदी तेल इसी रास्ते से निकालता है।

इराक ने एयरपोर्ट-एयरस्पेस खोला

संघर्ष विराम की घोषणा के कुछ समय बाद इराक ने अपने एयरपोर्ट और एयरस्पेस को खोल दिया। इराक के नागरिक उड्डयन विभाग के प्रमुख बंकिन रेकानी ने बताया कि जंग के चलते बगदाद और इर्बिल एयरपोर्ट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद आवागमन को सुचारू बनाने के लिए ये फैसला लिया गया है।

पेज-8 भी देखें

भू-माफियाओं पर चला सरकारी हथौड़ा

- 11 एकड़ जमीन मुक्त, हटाई गईं 1200 अवैध झोपड़ियां
- खाली जमीन पर बनेगा विज्ञान पार्क और आदिवासी सृष्टि
- सरकार का 500 एकड़ जमीन वापस लेने का ब्लूप्रिंट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के निर्देश पर मानखुर्द के अन्नाभाऊ साठे नगर में करीब 11 एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इस भूमि का उपयोग अब सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए किया जाएगा। मुंबई उपनगरीय जिला कलेक्टर सौरभ कटियार और पुलिस उपायुक्त समीर शेख के नेतृत्व में 400 कर्मियों की टीम ने मानखुर्द में बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान साहित्य रत्न अन्नाभाऊ साठे नगर में स्थित लगभग 1,200 अवैध झोपड़ियों को पूरी तरह हटा दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाली कराई गई जमीन का उपयोग जनहित में किया जाएगा। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने घोषणा की कि इस 11 एकड़ भूमि पर एक अत्याधुनिक 'विज्ञान पार्क' और 'आदिवासी सृष्टि' विकसित की जाएगी। यह परियोजना न केवल क्षेत्र का कायाकल्प करेगी, बल्कि छात्रों के लिए ज्ञान का केंद्र भी बनेगी।

मलाड और मालवानी में भी जारी है कड़ी कार्रवाई

मानखुर्द के साथ-साथ प्रशासन की नजर मलाड और मालवानी जैसे संवेदनशील इलाकों पर भी है। यहाँ भी बड़े पैमाने पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे पाए गए हैं। मंत्री ने बताया कि इन क्षेत्रों में भी इसी तरह के बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं और अवैध संरचनाओं को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

सुरक्षा के लिए खतरा बने अवैध निर्माण: मंगल प्रभात लोढ़ा

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि मुंबई में अवैध निर्माणों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, जो देश की आर्थिक राजधानी की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। सरकारी जमीनों का सत्यापन और उन्हें वापस लेना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'सुंदर और सुरक्षित मुंबई' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। सरकारी जांच में यह बात सामने आई है कि मुंबई और उपनगरों में भू-माफियाओं का जाल फैला हुआ है। मंत्री लोढ़ा के अनुसार, कई क्षेत्रों में स्थानीय तत्वों के समर्थन से बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को संरक्षण दिया जा रहा है। ये क्षेत्र अक्सर नशीले पदार्थों के व्यापार और असामाजिक गतिविधियों के केंद्र बन जाते हैं, जिन्हें अब चिन्हित कर नष्ट किया जा रहा है।

500 एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और उपनगरों में हजारों एकड़ सरकारी भूमि पर फैले अतिक्रमण को हटाने का ब्लूप्रिंट तैयार किया है। योजना के तहत, शुरुआती चरण में 500 एकड़ चुनिंदा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर उसे सरकार के पूर्ण नियंत्रण में लिया जाएगा और वहां जनहित से जुड़ी रचनात्मक पहलें शुरू की जाएंगी। मानखुर्द में बनने वाले 'विज्ञान पार्क' के लिए सरकार धर्मार्थ संगठनों की भी सहायता लेगी।

पोंडा उपचुनाव

चुनाव आयोग की अधिसूचना अमान्य घोषित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा पोंडा विधानसभा उपचुनाव के लिए जारी अधिसूचना को अवैध घोषित करते हुए 9 अप्रैल को होने वाले मतदान को रद्द कर दिया है। जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस और जस्टिस अमित जमसांडेकर की खंडपीठ ने दो मतदाताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत का मुख्य तर्क यह रहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, यदि विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम बचा हो, तो उपचुनाव कराना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने माना कि महज कुछ महीनों के कार्यकाल के लिए चुनाव कराना तर्कसंगत नहीं है।

कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी

इस फैसले के तुरंत बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य गिरीश चोडणकर ने स्पष्ट किया है कि पार्टी हाईकोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। चोडणकर का कहना है कि हाईकोर्ट का विस्तृत आदेश वेबसाइट पर अपलोड होते ही वे विशेष अनुमति याचिका (SLP) दाखिल करेंगे। कांग्रेस का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया को इस तरह रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का

भाजपा और चुनाव आयोग पर साजिश के आरोप

राजनीतिक मोर्चे पर कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा और चुनाव आयोग के बीच साठगांठ का आरोप लगाया है। चोडणकर ने दावा किया कि भाजपा अपनी संभावित हार से डर गई थी, जिसके कारण उपचुनाव रद्द करने की साजिश रची गई। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए कि रवि नाइक के निधन के पांच महीने बाद चुनाव की घोषणा क्यों की गई। हालांकि, इन गंभीर आरोपों पर फिलहाल भाजपा या चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक सफाई नहीं आई है, जिससे पोंडा की राजनीति में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

ब्रीफ न्यूज़

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगे नहीं होंगे

मुंबई। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और EMI नहीं बढ़ेगी। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी के फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। RBI ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थी। RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब RBI रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

एक सप्ताह में दस करोड़ का नशीला पदार्थ जब्त

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक सप्ताह में शहर के अलग-अलग इलाकों में छापा मारकर 29.292 किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया और दस आरोपितों को गिरफ्तार किया। बरामद किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत 10 करोड़ 14 लाख 46 हज़ार 100 रुपये आंकी गई है। सभी मामलों की गहन छानबीन जारी है। एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के पुलिस उपायुक्त नवनाथ धवले ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक सप्ताह विशेष जांच मुहिम शुरु किया था। इस ऑपरेशन के दौरान 1 अप्रैल 2026 से 7 अप्रैल 2026 तक वडाला, अंधेरी,

पीडब्ल्यूडी नियुक्तियों पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

- मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर तुरंत कार्रवाई पर रोक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सरकारी विभागों में दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी की नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं के मामलों में अहम राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल मेडिकल रिपोर्ट में अंतर के आधार पर कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने और निलंबन के आदेशों पर रोक लगाते हुए कर्मचारियों को तत्काल दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया है।

जांच जारी रहेगी, लेकिन जल्दबाजी में नहीं होगी कार्रवाई

न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे और न्यायमूर्ति अभय जे. मंत्री की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि संबंधित कर्मचारियों को अनिवार्य मेडिकल जांच करवानी होगी, लेकिन रिपोर्ट में किसी भी अंतर के आधार पर तुरंत दंड नहीं दिया जाएगा। अदालत ने संतुलित रुख अपनाते हुए जांच प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी, साथ ही यह सुनिश्चित किया कि कर्मचारियों के अधिकारों का हनन न हो।

बारामती उपचुनाव

बड़े भाई की भूमिका में भाजपा

फडणवीस से मिलीं सुनेत्रा पवार, सरकारी आवास वर्षा पर महायुति की हुई बैठक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बारामती विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव ने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह साफ हो गया है कि भाजपा इस सीट को जीतने के लिए बड़े भाई की भूमिका निभाने को तैयार है। वहीं, विपक्षी गठबंधन में उम्मीदवार को लेकर भारी खींचतान नजर आ रही है। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास वर्षा पर बुधवार को एक घंटे तक

चली बैठक में सुनेत्रा पवार के साथ सुनील तटकरे, पार्थ पवार और हसन मुश्रीफ मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक, फडणवीस ने आश्वासन दिया कि भाजपा का पूरा कैडर सुनेत्रा पवार को जिताने के लिए मैदान में उतरेगा। नामांकन वापसी की आखिरी तारीख से ठीक पहले हुई इस मुलाकात ने महायुति के इरादे साफ कर दिए हैं।

कांग्रेस के भीतर 'गृहयुद्ध' की स्थिति

बारामती में कांग्रेस ने आकाश मोरे को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन पार्टी दो गुटों में बंट गई है। एक गुट चुनाव लड़ने पर अड़ा है और इसे लोकतांत्रिक अधिकार बता रहा है। दूसरा गुट उम्मीदवार वापस लेने के पक्ष में है और चुनाव प्रचार से दूरी बना ली है। प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने स्पष्ट किया कि उन्हें पर्चा वापस लेने के लिए महायुति के किसी नेता ने फोन नहीं किया है, हालांकि दिल्ली हाईकमान से संपर्क साधा जा रहा है।

शरद पवार और उद्धव ठाकरे का सस्पेंस

इस उपचुनाव में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि शरद पवार गुट ने अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। वहीं, शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। विपक्षी खेमे की यह चुप्पी सुनेत्रा पवार के लिए राह आसान करेगी या कोई 'सीक्रेट प्लान' है, यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

तेंदुओं का 'कसाई' गिरोह

6 शिकारी गिरफ्तार, खाल बरामद

तेंदुओं का शिकार कर उनके अंगों की कर रहे थे तस्करी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

संजय गांधी नेशनल पार्क में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। वन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 शातिर शिकारियों को गिरफ्तार किया है, जो नेशनल पार्क के भीतर तेंदुओं का शिकार कर उनके अंगों की तस्करी कर रहे थे। दहानू वन विभाग के फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर भटाने और उनकी टीम ने फिल्मी अंदाज़ में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। टीम के सदस्य 'नकली खरीदार' बनकर आरोपियों से मिले। जैसे ही दो आरोपी तेंदुए की खाल बेचने पहुँचे, उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया गया। उनकी निशानदेही पर गिरोह के अन्य 4 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया।

3 तेंदुओं की बेरहमी से हत्या

पूछताछ में पता चला है कि पिछले 5-6 महीनों के भीतर गिरोह ने 3 तेंदुओं का शिकार किया था। ये शिकार नेशनल पार्क के चेना वेस्ट और काशीगांव इलाकों में किए गए थे। आरोपियों के पास से तेंदुए की खाल, हड्डियां, बाल और शिकार के लिए इस्तेमाल होने वाली तार की रस्सियाँ बरामद हुई हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम विशाल वामन वार्था, मयूर प्रमोद म्हात्रे, अनिल सीताराम धाड़े, हर्षदचंद्र जाधव, दिनेश पगेरा और संतोष गोविंद घोषे हैं। मुख्य आरोपी जाधव, पगेरा और घोषे नेशनल पार्क के 'माशाचा पाड़ा' इलाके में अवैध अतिक्रमण कर रह रहे थे।

खेती की आड़ में शिकार

जांच में यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि आरोपी हर्षद जाधव और संतोष घोषे ने 'वन अधिकार अधिनियम' के तहत जमीन पर दावा किया हुआ था। वे खेती की आड़ में जंगल के भीतर अतिक्रमण कर रहे थे और पारंपरिक तरीकों (डाइस सेट और फंदों) से जंगली सूअरों और तेंदुओं का शिकार कर उनके कीमती अंग बेचते थे। आरोपियों ने पहले तो यह कहकर गुमराह करने की कोशिश की कि उन्हें तेंदुए का शव मिला था।

मास्टरस्ट्रोक | महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी

अब लोकसभा में होंगी 273 महिला सांसद

- संसद सत्र पेश किया जाएगा बिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून में बदलाव के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 816 करने और 33 प्रतिशत यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की तैयारी है। सरकार का लक्ष्य है कि यह व्यवस्था 2029 के आम चुनाव से लागू हो जाए। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह संशोधन नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़ा है। संसद का विस्तारित सत्र 16 से 18 अप्रैल तक बुलाया गया है, जिसमें इस बिल को पारित कराने की योजना है।

क्या है नया प्रस्ताव और क्या बदलाव होंगे?

नए प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी। इनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसके साथ ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण का प्रावधान रखा जाएगा। यह पूरा ढांचा महिलाओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

क्या पहले कानून में देरी की आशंका थी?

2023 में महिला आरक्षण कानून पास हुआ था, लेकिन उसे लागू करने के लिए 2027 की जनगणना और उसके बाद परिसीमन जरूरी था। इस वजह से यह कानून 2034 तक टल सकता था। अब सरकार ने इसमें बदलाव कर 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने का फैसला लिया है, जिससे लागू करने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी।

विधानसभाओं में भी लागू होगा?

यह व्यवस्था सिर्फ लोकसभा तक सीमित नहीं रहेगी। राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी तरह सीटों का आरक्षण किया जाएगा। हर राज्य में उसकी आबादी के हिसाब से महिलाओं को सीटें दी जाएंगी।

गरीब मरीजों के लिए राहत

इलाज की आर्थिक सहायता अब 3-8 घंटे में मंजूर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए राज्य सरकार बड़ी सुविधा शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू होगी, जिसके तहत गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता मात्र 3 से 8 घंटे में मंजूर हो सकेगी। यह सुविधा मुख्यमंत्री चिकित्सा एवं सहायता निधि कक्ष के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

वॉर रूम से होगी सीधी निगरानी, पारदर्शिता बढ़ेगी

पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग मंत्रालय में बने वॉर रूम से की जाएगी। मरीज और अधिकारियों के बीच सीधा संवाद संभव होगा, जबकि अस्पतालों को सीमित जानकारी ही उपलब्ध होगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जीवाड़े पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

पहले लगते थे कई दिन, अब घंटों में मिलेगा निर्णय

पहले मरीजों को सहायता के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता था और फाइल लेकर इधर-उधर भटकना पड़ता था। अब नई व्यवस्था के तहत जैसे ही मरीज की आईडी बनेगी, उसकी जानकारी तुरंत वॉर रूम तक पहुंच जाएगी और कुछ ही घंटों में निर्णय लिया जा सकेगा।

3800 अस्पतालों से करार, मोबाइल ऐप भी होगा लॉन्च

सरकार ने राज्य के करीब 3800 अस्पतालों, जिनमें निजी अस्पताल भी शामिल हैं, के साथ करार किया है। यदि कोई अस्पताल इलाज से इनकार करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जा रहा है, जिससे मरीज अपने नजदीकी अस्पताल की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

अस्पताल में ही होगा पंजीकरण, नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

नई व्यवस्था में मरीजों को मंत्रालय या सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे सीधे नजदीकी अस्पताल में जाकर पंजीकरण करवा सकेंगे। हर अस्पताल में मौजूद 'आरोग्य दूत' मरीज की पूरी जानकारी ऑनलाइन सिस्टम में अपलोड करेगा, जिससे प्रक्रिया तेज और आसान हो जाएगी।

पूरी प्रक्रिया होगी पेपरलेस और कैशलेस

यह नई प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, पेपरलेस और कैशलेस होगी। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि फाइलों की झंझट भी खत्म होगी। मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की कागजी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा।

आंदोलन के 31वें दिन 'भीख मांगो' प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत पिछले 20 वर्षों से कार्यरत 3,378 कर्मचारियों को सरकारी सेवा में स्थायी करने की मांग को लेकर 9 मार्च से आंदोलन जारी है। आज़ाद मैदान में चल रहे इस प्रदर्शन के 31 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा ध्यान न दिए जाने पर कर्मचारियों ने बुधवार को 'भीख मांगो' आंदोलन किया। इससे पहले मंगलवार को आंदोलनकारियों ने महानगरपालिका मुख्यालय के सामने रास्ता रोको प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस ने 25 लोगों को हिरासत में लिया था। सरकार की बेरुखी से नाराज कर्मचारियों ने अब अपने आंदोलन को और अधिक तीव्र करने का संकल्प लिया है।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला

आंदोलनकारियों का कहना है कि वे शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं, फिर भी सरकार उन्हें सम्मान से जीने का हक नहीं दे रही है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि 10 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों को बजट की कमी या पद खाली न होने जैसे बहाने बनाकर नियमित करने से नहीं रोका जा सकता। पिछले 18-20 वर्षों से बेहद कम वेतन पर काम कर रहे ये कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उन्हें रिक्त पदों या वर्तमान पदों पर ही स्थायी किया जाए। राज्य भर में कार्यरत लगभग 6,000 कर्मचारियों में से केवल 2,572 को ही स्थायी किया गया है, जिससे बाकी कर्मचारियों में भारी असंतोष है। ये कर्मचारी शिक्षा विभाग का डेटा तैयार करने, शालार्थ प्रणाली, शिक्षक प्रशिक्षण, दिव्यांग शिक्षा, मिड-डे मील योजना और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को संभालते हैं। इनमें विषय विशेषज्ञ, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, डेटा एंट्री ऑपरेटर और इंजीनियर जैसे पद शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन करने के बावजूद उन्हें स्थायी सेवा से वंचित रखना अन्यायपूर्ण है।

दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप

पति समेत 4 ससुराल वालों पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति सहित चार ससुरालीजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गुन्हा रजि. क्र. 265/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के रूप में पति संदीप हिरालाल विश्वकर्मा, सास कलावती विश्वकर्मा, जेठ अवधेश विश्वकर्मा और जेठानी सुरेखा विश्वकर्मा को नामजद किया गया है। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

लंबे समय से चल रहा था उत्पीड़न

शिकायतकर्ता 37 वर्षीय महिला, जो नालासोपारा पश्चिम की निवासी है, ने आरोप लगाया है कि 1 जुलाई 2021 से 7 अप्रैल 2026 तक उसे लगातार दहेज को लेकर प्रताड़ित किया गया। ससुराल पक्ष द्वारा बार-बार दहेज को लेकर ताने दिए जाते थे। पीड़िता के अनुसार, उसे "मायके से कुछ नहीं लाई", "तुम्हें काम नहीं आता" जैसे अपमानजनक शब्दों से मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। इसके अलावा, पति और अन्य परिजनों द्वारा समय-समय पर गाली-गलौज और मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है।

पुलिस जांच शुरू, आगे होगी कार्रवाई

नारपोली पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को स्टेशन डायरी के आधार पर मामला दर्ज किया है। इस केस की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सोनाली पाटील को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बकाया मजदूरी को लेकर विवाद

लूम मालिक पर हमला, 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

निजामपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में बकाया मजदूरी को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस मामले में पुलिस ने 2 नामजद और 6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गुन्हा रजि. क्र. 186/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता मुन्ना रामजी सिंह (52), निवासी मानसरोवर, वन्हाळदेवी तालाब के पास, भिवंडी ने घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

मजदूरी भुगतान को लेकर हुआ विवाद

शिकायत के मुताबिक, 31 मार्च 2026 की रात करीब 8:30 बजे खोणीगांव खाड़ीपार स्थित चागल कंपाउंड के एक लूम कारखाने में मजदूरी भुगतान को लेकर विवाद शुरू हुआ। मजदूर रितेश देवीप्रसाद मिश्रा अपने बकाया पैसे लेने के लिए मैनेजर सतेंदर विद्या सिंह के पास पहुंचा था।

कहासुनी से मारपीट तक पहुंचा मामला

मैनेजर द्वारा बाद में भुगतान की बात कहने पर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो हाथापाई में बदल गई। बाद में जब शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचे और विवाद शांत कराने का प्रयास किया, तो आरोप है कि रितेश मिश्रा ने अपने साथियों को बुला लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, रितेश, शुभम वाघमारे और उनके साथ आए अन्य लोगों ने "पैसा क्यों नहीं दे रहे हो" कहते हुए मारपीट और गाली-गलौज की। घटना के करीब एक सप्ताह बाद 7 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जांच पोउपनि गीते को सौंपी गई है।

ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर क्रेन पलटी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

कोपरी रेलवे ब्रिज पर बुधवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया, जब साकेत-आनंदनगर एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के काम में लगी एक विशाल क्रेन अचानक पलट गई। यह घटना शाम करीब 4 बजे तकनीकी खराबी के कारण हुई। क्रेन का एक बड़ा हिस्सा ठाणे से मुंबई की ओर जाने वाली सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन हाईवे पर काम के लिए की गई खुदाई और बैरिकेडिंग के बीच इस हादसे ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

मुंबई-ठाणे के बीच ट्रैफिक जाम

इस हादसे के कारण मुंबई और ठाणे के बीच यातायात पूरी तरह चरमरा गया। मुंबई से ठाणे की ओर आने वाली लेन पर कोपरी ब्रिज से विक्रोळी तक और ठाणे से मुंबई जाने वाली लेन पर माजीवाड़ा चौक तक वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ने की कोशिश की, लेकिन क्रेन को हटाने में आ रही तकनीकी दिक्कतों के कारण रात 8 बजे के बाद भी रास्ता साफ नहीं हो सका था। भारी-भरकम क्रेन के सड़क के बीचों-बीच फंसे होने से दोनों तरफ के वाहन रेंगते नजर आए।

आम जनता और नौकरीपेशा लोगों के बेहाल

शाम के समय जब लोग दफ्तरों से घर लौट रहे थे, उसी वक्त हुए इस हादसे ने हजारों यात्रियों की मुसीबत बढ़ा दी। महामार्ग के साथ-साथ ठाणे शहर की आंतरिक सड़कों जैसे कोपरी, बारा बंगला, खोपट और गोकुलनगर में भी भीषण जाम लग गया। घंटों ट्रैफिक में फंसे रहने के कारण नौकरीपेशा लोगों और वाहन चालकों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

बिजली चोरी का मामला उजागर, केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में 3 लाख रुपये से अधिक की बिजली चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पर लंबे समय तक बिना मीटर के अवैध कनेक्शन के जरिए बिजली उपयोग करने का आरोप है।

3 लाख से अधिक का नुकसान, जांच जारी

जांच में सामने आया कि इस बिजली चोरी से कंपनी को करीब 3,01,291 रुपये का नुकसान हुआ है। 7 अप्रैल 2026 को शांतीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अरुण घोलप कर रहे हैं।

आरोपी की पहचान, गिरफ्तारी बाकी

मामले में आरोपी की पहचान पाटील तुळशीराम नारायण, निवासी बेहेळे गांव, भिवंडी, जिला ठाणे के रूप में हुई है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

अवैध कनेक्शन से हजारों यूनिट बिजली का उपयोग

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने 9 दिसंबर 2024 से 8 दिसंबर 2025 के बीच टोरेन्ट पावर कंपनी की केबल से अवैध रूप से कनेक्शन जोड़कर 10,755 यूनिट बिजली का उपयोग किया। इस दौरान बिजली मीटर का उपयोग नहीं किया गया, जिससे कंपनी को भारी नुकसान हुआ।

एक्जीक्यूटिव कर्मचारी की शिकायत पर कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, यह मामला गुन्हा रजि. क्र. 272/2026 के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता कु. निकिता अशोक मोरे (24) हैं, जो ओसवाल वाड़ी, कामतघर रोड, अंजूरफाटा, भिवंडी क्षेत्र की निवासी हैं। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

आईआईटी दिल्ली कोडिंग चैंपियनशिप

पुणे के छात्र ने हासिल किया राष्ट्रीय सम्मान

डीबीडी संवाददाता । पुणे

शहर के लिए गर्व का क्षण तब आया जब 13 वर्षीय विराज कौशल ने IIT दिल्ली में आयोजित 10वीं टेकरेडिएंस नेशनल कोडिंग एंड रोबोटिक्स चैंपियनशिप 2026 में सेकेंड रनर-अप स्थान हासिल किया। 4-5 अप्रैल को IIT दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को देश के सबसे प्रतिष्ठित छात्र नवाचार मंचों में गिना जाता है। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को चार चरणों की कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसके बाद फाइनल राउंड IIT दिल्ली में आयोजित किया गया।

कोडिंग हैकाथॉन में दिखाई प्रतिभा

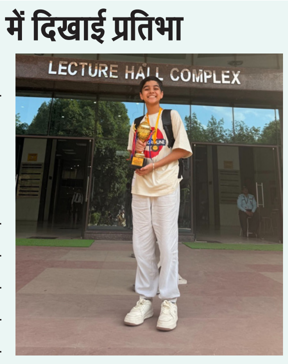

विराज ने कोडिंग हैकाथॉन 2026 में एकल प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया और देशभर के टॉप 20 फाइनलिस्ट्स में जगह बनाई। अपनी उत्कृष्ट कोडिंग स्किल्स, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पोडियम फिनिश हासिल की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराज को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सेंट मैरी स्कूल के छात्र विराज की इस उपलब्धि से न केवल उनके स्कूल बल्कि पूरे पुणे शहर का नाम रोशन हुआ है।

सीएम फेलोशिप प्रोग्राम की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सीएम फेलोशिप प्रोग्राम की घोषणा की है। इसके तहत राज्य के 60 होनहार युवाओं को चुना जाएगा और उन्हें ऑफिसर ए श्रेणी में काम करने का मौका मिलेगा। इस काम का युवाओं को अच्छा वेतन भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य के होनहार युवाओं को इस साल भी सीएम फेलोशिप के जरिए मंत्रालय में काम करने का मौका देने का फैसला किया है। इस प्रोग्राम में 60 युवक-युवतियों को मौका दिया जाएगा। इसमें से एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। किसी भी विषय में 60% अंको के साथ स्नातक होना चाहिए। जिनकी उम्र 21 से 26 साल के बीच हो, वे आवेदन कर सकते हैं। प्रोफेशनल कोर्स के छात्रों के लिए कम से कम एक साल का अनुभव होना चाहिए। चुने गए युवा को सरकारी सर्विस में ग्रुप-ए अधिकारी के बराबर का दर्जा दिया जाएगा।

प्रशासन के झूठे आश्वासन पर भड़का आक्रोश

आयुक्त कार्यालय में अर्धनग्न आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

महापालिका प्रशासन की कथित लापरवाही और अधूरे वादों के खिलाफ शहर में विरोध तेज हो गया है। वाशी क्षेत्र में मार्जिनल स्पेस पर अतिक्रमण हटाने के मुद्दे को लेकर कामगार सेना के नेता प्रदीप बी. वाघमारे ने सख्त रुख अपनाते हुए आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे को चेतावनी दी है। वाघमारे ने पत्र के माध्यम से कहा है कि यदि अगले 10 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने की ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आयुक्त कार्यालय में मीडिया के सामने अर्धनग्न होकर ठिय्या आंदोलन करेंगे। यह विरोध प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों के उल्लंघन के खिलाफ होगा। जानकारी के अनुसार, वाशी इलाके में मार्जिनल स्पेस पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ है। इस मुद्दे को लेकर वाघमारे ने 12 मार्च 2026 को आमरण अनशन भी किया था। उस दौरान सहायक आयुक्त (अतिक्रमण) अरुण पाटील ने 8 दिनों के भीतर कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया था।

25 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं

वाघमारे ने आरोप लगाया कि 25 दिन बीत जाने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने सवाल किया कि लिखित आश्वासन के बावजूद मामले को ठंडे बस्ते में क्यों डाल दिया गया, जिससे प्रशासन की नीयत पर सवाल खड़े होते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में चोरों का बढ़ा आतंक, ग्रामवासी कर रहे निगरानी

मोठा गांव पुल के पास पुलिस चौकी खोलने की मांग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों चोरी की घटनाओं में तेजी आने से दहशत का माहौल है। गांवों में सशस्त्र चोरों की सक्रियता के चलते ग्रामवासी खुद रातभर निगरानी करने को मजबूर हो गए हैं। वेहले गांव के पूर्व सरपंच संतोष भोइर ने ठाकुरली पुल के पास सुराई-सारंगगांव क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस इलाके में पुलिस की स्थायी मौजूदगी से अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है।

पुलिस में मामला दर्ज, आरोपी फरार

इन घटनाओं के बाद नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालांकि अब तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं और उनकी तलाश जारी है। लगातार हो रही वारदातों के चलते ग्रामीणों ने खुद रात में पहरा देना शुरू कर दिया है। संतोष भोइर ने बताया कि ठाकुरली पुल से चोरों के लिए भागना आसान हो जाता है, इसलिए इस क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और स्थायी चौकी स्थापित करने की जरूरत है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाएं

ज्ञापन के अनुसार, वेहले, सारंगगांव और आसपास के गांवों में चोरों ने आतंक मचा रखा है। वेहले गांव में भगवान म्हात्रे के घर में घुसने की कोशिश की गई, जबकि सारंगगांव में एक ज्वेलर्स की दुकान का शटर तोड़कर करीब 11 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर लिए गए।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में लापरवाही

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

नगरपालिका अध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने वडोल स्थित सांडपाणी प्रक्रिया केंद्र (STP) का औचक निरीक्षण कर एक बड़े घोटाले और लापरवाही को उजागर किया है। जहाँ एक ओर राज्य सरकार नदियों के पुनरुद्धार के लिए बड़े अभियान चला रही है, वहीं अंबरनाथ का यह 45 मिलियन लीटर क्षमता वाला प्रोजेक्ट पूरी तरह कार्यान्वित नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान पता चला कि यहाँ केवल 22 मिलियन लीटर पानी ही प्रोसेस हो रहा था, और पिछले कई महीनों से प्लांट लगभग बंद पड़ा था। अध्यक्षा के आने की भनक लगते ही ठेकेदार ने आनन-फानन में मोटरें तो शुरू कीं, लेकिन प्लांट पर जमे काई और गंदगी ने हकीकत बयां कर दी। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने संबंधित ठेकेदार और गैर-जिम्मेदार अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। अध्यक्षा ने तत्काल प्रभाव से ठेकेदार का काम रोकने और उसके लंबित बिलों के भुगतान पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस ठेकेदार का काम पहले भी असंतोषजनक पाया गया था, फिर भी उसे दोबारा काम दिया गया। इस खुलासे के बाद अब नगरपालिका के उन अधिकारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं, जो इस ठेकेदार पर 'मेहरबान' बने हुए थे।

अंधेरी पूर्व में विकास कार्यों की महापौर ने की समीक्षा

धीरज सिंह । मुंबई

अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं और नागरिक समस्याओं को लेकर मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने महापौर कक्ष में एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में क्षेत्र के विधायक मुरजी पटेल सहित महानगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जहां विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मरोळ मंडई और मरोळ अस्पताल के पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि मरोळ अस्पताल के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, जबकि मंडई के पुनर्विकास के लिए प्रारंभिक कार्यवाही जारी है।

महापौर ने विकास योजना के तहत सड़कों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने और प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अंधेरी अंडरपास में हर साल होने वाले जलभराव को गंभीर मुद्दा बताते हुए उन्होंने रेलवे और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर स्थायी समाधान निकालने पर जोर दिया।

पानी की समस्या के समाधान के लिए पहल

सुभाषनगर, गुंदवली टेकडी, शिव वसाहत, कनाकिया रेन फॉरेस्ट, मरोळ हिलटॉप और चर्च रोड जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी को दूर करने के लिए नए जल टैंक स्थापित करने हेतु सर्वेक्षण और रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

सुरक्षा, राहत योजना और अन्य विकास कार्य

महापौर ने अंधेरी पूर्व में पुलिस चौकी के लिए स्थान उपलब्ध कराने हेतु संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था मजबूत हो सके। साथ ही, भोगवटा प्रमाणपत्र न मिलने वाले भवनों के निवासियों को अतिरिक्त जल शुल्क से राहत देने के लिए अभय योजना लागू करने की घोषणा की। इसके अलावा कोंडिविटा नाले के चौड़ीकरण, श्मशानभूमि के विकास, महानगरपालिका स्कूलों में सीसीटीवी, मरम्मत कार्य और नई स्कूल इमारतों के निर्माण को भी समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

संजय राउत भारत में कर रहे हैं पाकिस्तान की दलाली: बन

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता संजय राउत पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'पाकिस्तान का एजेंट' तक करार दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने राउत के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। नवनाथ बन ने कहा कि जिनकी खुद की राजनीतिक पकड़ कमजोर हो चुकी है और जिनकी पार्टी की पहुंच सीमित हो गई है, वे आज अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, खासकर ईरान के मामले पर टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राउत को पहले अपने ही गुट की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

दलाली के आरोप और राजनीतिक निशाना

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जिस तरह पाकिस्तान कथित तौर पर दलाली के जरिए युद्ध को आगे बढ़ा रहा है, उसी तरह भारत में संजय राउत उसके 'माध्यम' बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राउत का काम अब केवल अलग-अलग नेताओं की 'दलाली' करना रह गया है और जनता उन्हें इसका जवाब दे चुकी है।

देशविरोधी भूमिका का आरोप

नवनाथ बन ने राउत पर देशविरोधी रुख अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में रहकर देश के खिलाफ बोलना और पाकिस्तान की तारीफ करना राउत की आदत बन चुकी है। उन्होंने इसे 'देश के साथ विश्वासघात' जैसा करार दिया। भाजपा नेता ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वहां पेट्रोल-डीजल महंगे हैं और आम नागरिकों को बुनियादी चीजों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसके विपरीत, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत में हालात नियंत्रित हैं। साथ ही उन्होंने राउत को सलाह दी कि वे पहले अपने गुट के सीमित राजनीतिक प्रभाव और आगामी चुनावों पर ध्यान दें, फिर केंद्र सरकार को सुझाव दें।

वर्ली भूखंड नीलामी पर गरमाई राजनीति

नीलामी प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वर्ली स्थित एक महत्वपूर्ण भूखंड को पंचतारांकित होटल के लिए देने के प्रस्ताव को लेकर शहर की राजनीति तेज हो गई है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड ने बीएमसी आयुक्त को पत्र लिखकर इस नीलामी प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की है। गायकवाड ने आरोप लगाया कि करीब 5,166 वर्ग मीटर के इस भूखंड को मात्र 455 करोड़ रुपये में एक खास बिल्डर को देने की तैयारी की जा रही है। उनका कहना है कि इस सौदे से बीएमसी को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है और यह जनहित के खिलाफ है।

अपने पत्र में गायकवाड ने बीएमसी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि महानगरपालिका के पास पर्याप्त संसाधन हैं, जिससे वह खुद इन भूखंडों का विकास कर सकती है। इसके बावजूद निजी डेवलपर्स को फायदा पहुंचाने के लिए पारदर्शिता से समझौता किया जा रहा है।

डेवलपर को भारी मुनाफे का मौका

गायकवाड के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत बीएमसी को केवल 455 करोड़ रुपये और प्रयोगशाला के लिए करीब 1,300 वर्ग मीटर जगह मिलेगी, जबकि डेवलपर को पंचतारांकित होटल के जरिए बड़े मुनाफे का अवसर मिलेगा। उन्होंने इस सौदे को असंतुलित और एकतरफा बताया। कांग्रेस ने इस पूरे मामले को 'मुंबई को बेचने की साजिश' करार देते हुए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण फैसलों में जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से चर्चा जरूरी है।

समरजीतसिंह घाटगे का भाजपा में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कागल के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और शाहू उद्योग समूह के अध्यक्ष राजे समरजीतसिंह घाटगे ने अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। उनके साथ पुत्र राजे अखिलेश सिंह, राजे विरेंद्रसिंह घाटगे, पंचायत समिति सभापति सुवर्णा पाटिल और उपनगराध्यक्ष जयंत रावण समेत कई कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। इस मौके पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील, सांसद धनंजय महाडिक, राजवर्धन नाईक निंबालकर, वरिष्ठ नेता प्रकाश आवाडे और मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

कोल्हापुर में भाजपा को मिलेगा मजबूती

प्रदेशाध्यक्ष चव्हाण ने कहा कि समरजीतसिंह घाटगे के भाजपा में आने से कोल्हापुर जिले में पार्टी की ताकत और मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो चुका है और घाटगे के नेतृत्व में कार्यकर्ता संगठित होकर आगे बढ़ेंगे। रविंद्र चव्हाण ने यह भी आश्वासन दिया कि जिस भरोसे के साथ घाटगे ने भाजपा का दामन थामा है, उस विश्वास को कायम रखा जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी के विस्तार के लिए काम करने का आह्वान किया।

घाटगे ने जताई प्रतिबद्धता, कई नेताओं का साथ

समरजीतसिंह घाटगे ने कहा कि वे पार्टी के निर्देशों के अनुसार पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ काम करेंगे और भाजपा की विचारधारा को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएंगे। इस दौरान जिला परिषद सदस्य शिवानी विजयसिंह भोसले, पंचायत समिति सदस्य अनिलकुमार हेगड़े, रंजना बापू अस्वले, नगरसेवक दीपक मगर सहित कई अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा में प्रवेश कर पार्टी को समर्थन दिया।

सुरेंद्रकुमार बाजपेयी मुंबई जनता दल (एस) के अध्यक्ष नियुक्त

प्रभाकर नारकर बने महाराष्ट्र के कार्यकारी अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जनता दल (सेक्यूलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवेगौड़ा की सलाह पर, महाराष्ट्र प्रदेश जनता दल (सेक्यूलर) के अध्यक्ष नाथाभाऊ शेवाले ने आधिकारिक तौर पर सुरेंद्रकुमार बाजपेयी को जनता दल (सेक्यूलर) की मुंबई इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाजपेयी, जो पहले महाराष्ट्र प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे, अब महानगर में पार्टी की उपस्थिति को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। पेशे से कंप्यूटर इंजीनियर और वकील बाजपेयी अपने साथ तकनीकी और कानूनी विशेषज्ञता का एक अनूठा अनुभव लेकर आए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष श्री नाथाभाऊ शेवाले ने कहा कि बाजपेयी की नियुक्ति जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने की भविष्य की रणनीति के तहत की गई है। अपनी नियुक्ति पर श्री बाजपेयी ने राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और एक समावेशी मुंबई का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैं मुंबई शहर के समग्र उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हमारा ध्यान आम आदमी को प्रभावित करने वाले मुख्य शहरी मुद्दों को हल करने पर होगा। हमारा लक्ष्य मुंबई के स्थापित राजनीतिक दलों के विकल्प के रूप में जेडीएस (JDS) को एक मजबूत और व्यावहारिक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष विकल्प के रूप में पेश करना है।'

हाजी सलीम भट्टी बने मुंबई जेडीएस के प्रभारी अध्यक्ष

बाजपेयी के साथ ही हाजी सलीम भट्टी को मुंबई जेडीएस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भट्टी ने कहा, 'हम अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े उन मुद्दों को उठाएंगे जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।' वहीं, मुंबई जेडीएस के निवर्तमान अध्यक्ष प्रभाकर नारकर को अब महाराष्ट्र जेडीएस का कार्यकारी अध्यक्ष और महासचिव नियुक्त किया गया है।

रणनीतिक पहल से बढ़ेगा जनाधार

इस नियुक्ति समारोह में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य नीलेश कांबारिया और ललित दादा रुणवाल, महाराष्ट्र जेडीएस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रभाकर नारकर, प्रदेश युवा अध्यक्ष ऍड. संग्राम नाथाभाऊ शेवाले, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऍड. सुहास बने, प्रदेश महासचिव प्रेमचंद पांड्या और विनोद मोरे, प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति बडेकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय बाधियानी; प्रदेश सचिव अकबर शेख और मोहम्मद अली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनहित के मुद्दों पर सड़क पर उतरेगी एनसीपी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शशिकांत शिंदे ने प्रेस वार्ता में कहा कि एनसीपी (एसपी) अब आम जनता के मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख अपनाएगी और जरूरत पड़ने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल से जनहित के मुद्दों का समाधान करवाने के लिए पार्टी हर स्तर पर दबाव बनाएगी। शिंदे ने बताया कि पार्टी संगठन को सशक्त बनाने के लिए पूरे राज्य में बैठकों का दौर जारी है। हाल ही में सभी जिलों की बैठकें आयोजित की गई हैं और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना प्राथमिकता है।

पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले की उपस्थिति में विभिन्न सेल की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। गुरुवार को मुंबई में भी एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है, जिसमें संगठन विस्तार और रणनीति पर चर्चा होगी। शिंदे ने कहा कि पार्टी में योग्य और सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार पद दिए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यभर का दौरा कर संगठन को और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के चलते जो संगठनात्मक फैसले लंबित थे, अब उन पर विचार किया जा रहा है। राज्य और जिला स्तर पर बदलाव के सुझाव मिले हैं, जिन पर जल्द अंतिम निर्णय लिया जाएगा। शिंदे ने कहा कि सभी संबंधित नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद ही संगठन में बदलाव को अंतिम रूप दिया जाएगा, ताकि पार्टी को मजबूत और प्रभावी बनाया जा सके।

मध्य रेल

पिट लाइन से पानी निकालना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा.) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070, खुली ई-निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **खुली ई-निविदा सूचना क्र. कुर्ला-आरएस-वर्क्स-2025-15, दि. 06.04.2026. कार्य का विवरण**: कुर्ला कारशेड में पिट लाइन और अन्य क्षेत्रों से पानी निकालने का काम, 3 महीने (यानी 90 दिन) के लिए चौबीसों घंटे, किराए के आधार पर। **कार्य की औसत लागत**: रु. 20,53,670/- (जीएसटी साहित)। **बोली प्रतिभूति**: रु. 41,100/-. **वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधि**: 03 महीने। **अनुदेश: 1. उपरोक्त निविदा 28.04.2026 को 11:00 बंद हो जायेगी तथा उसके बाद 11.15 को खोली जाएगी।** **2.** भावी निविदाकर्ताओ से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धीपत्र (यदि कोई हो तो) की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपरोक्त ई-निविदा में भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत किए जाने पर न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. च. स्टा) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070 पर संपर्क कर सकते हैं। **5.** औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी फर्म को ऊपर वर्णित बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट दी जाएगी श्रम सहकारी समितियां ऊपर वर्णित उपरोक्त बोली सुरक्षा का केवल 50% ही जमा करेंगी। अधिक जानकारी के लिए जीसीसी कार्य 2022 या इसके नवीनतम संशोधन देखें। **6.** यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। **AK-24**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सीटीआरबी बेयरिंग

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85265499 /2026 due on 08-May-2026. निविदा विवरण**: टिमकेन ड्राइंग संख्या E59773 के अनुसार VB / ट्रेन सेट के लिए CTRB बेयरिंग, CTRB OEM के ड्राइंग के अनुरूप है जिसे RDSO द्वारा अनुमोदित / मंजूर किया गया है। अपने ड्राइंग के साथ कोटेशन देने वाले OEM को प्रस्ताव के साथ RDSO का अनुमोदन / मंजूरी संलग्न करना चाहिए। विशेष शर्त: परिवहन के दौरान अनलोडिंग में क्षति से बचने और भंडारण के दौरान जंग से बचाव के लिए उपयुक्त पैकिंग की जानी चाहिए। फर्म का प्रस्ताव: उपरोक्त के समान, टिमकेन ड्राइंग संख्या E59773 और टिमकेन पार्ट संख्या NP737217FSA- 90020 के अनुसार VB / ट्रेन सेट के लिए CTRB बेयरिंग के साथ। **मात्रा**: 704 Nos. **नियत तारीख**: 08-May-2026. **राशि**: 23442369. **AK-26**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा नं.: सोला/क.वि./नि/2026/06. कार्य का नाम**: निम्नलिखित के संबंध मे विदयुत टीआरडी का कार्य। **1)** घरनी - लातूर - लातूर रोड खंड के बीच नए ब्लॉक स्टेशन का निर्माण और **2)** लातूर स्टेशन पर पीएफ-02 की चौड़ाई बढ़ाने और ओएचई मास्ट को स्थानांतरित करने का प्रावधान। **अनुमानित लागत**: रु 1,91,27,051.15. **बयाना राशि**: रु 3,82,600/-. **कार्य पुरा करने की अवधि**: 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता**: 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय**: दि. 06.05.2026 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनीअर, मध्य रेल्वे, सोलापुर

AK/Sur-21

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

भुसावल मण्डल

ई–निविदा सूचना

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीजनल विजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्थाक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **टेंडर नोटिस न.** : भुसावल / ईलेक्ट / टीआरडी / 20 / 2026 दिनाक 02 / 04 / 2026. **कार्य का नाम** : भुसावल डिवीजन के टीआरडी विभाग के खींचने और उठाने वाले टी एंड पी आइटमों का परीक्षण। **कार्य की लागत.** : रु. 27,39,045.50 **बयाना राशि** : रु. 54,800.00 निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय, 30 / 04 / 2026 up to 15:00 hrs. **अतिरिक्त जानकारी के लिए वेब साइट का पता.** : **www.ireps.gov.in**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

मरम्मत और रखरखाव कार्य

खुली ई- निवीदा सूचना सं–मरे / मंरेप्र (कार्य) बीबी/2026/18, दिनांक: 07.04.2026

क्रमसंख्या-1. कार्य का नाम: A) पनवेल-रोहा: पेन-कासू में LC-4 पर RUB के पास, मॉनसून नदी के पथरीले तल को नीचा करना। **B)** पनवेल-रोहा: 78/6-7 किमी पर स्थित RUB सम्प (LC-3) से निकटवर्ती जलमार्ग पुल 78/3 तक 900mm व्यास के पाइप बिछाना। **C)** पनवेल-रोहा: Km-106/0-1 पर स्थित RUB सम्प (LC-17) से पास के निचले इलाके तक 900mm व्यास का पाइप बिछाना।।**अनुमानित मूल्य**: रु 730.43 लाख। ईएमडी: रु 14,60,900/-. **पूरा होने की अवधि**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 2. कार्य का नाम: निर्मल पार्क ऑफिसर रेलवे कॉलोनी में अग्निशमन प्रणाली की मरम्मत। **अनुमानित मूल्य**: रु 280.53 लाख। **ईएमडी**: रु 5,61,100/-. **पूरा होने की अवधि**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 3. कार्य का नाम: A) दीवा-पनवेल सेक्शन में LC-3 (किमी. 48/6-7) पर पथरीले क्षेत्र में, RUB की पूरी अप्रोच रोड पर कवर शेड और ज़्यादा क्षमता वाले सम्प (sump) की व्यवस्था करना। **B)** पनवेल-दापोली: 69/9-70/0 पर स्थित RUB सम्प (LC-21) से पास की नदी तक 900mm व्यास का पाइप बिछाना। **अनुमानित मूल्य**: रु 427.06 लाख। **ईएमडी**: रु 8,54,100/-. **पूरा होने का समय**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 4. कार्य का नाम: A) कुर्ला रेलवे कॉलोनी की मौजूदा चारदीवारी में सुधार। **B)** एडीईएन (वर्क्स) भायकला के अंतर्गत कुर्ला रेलवे कॉलोनी में सड़क की मरम्मत। **C)** एडीईएन (वर्क्स) भायकला के अंतर्गत कुर्ला रेलवे कॉलोनी में ड्रेनेज लाइन की मरम्मत। **D)** एडीईएन (वर्क्स) भायकला के अंतर्गत एसएसई (वर्क्स) कुर्ला के अधीन विद्याविहार कॉलोनी में पहुँच मार्ग, बगल की नाली, भवन के रास्ते और भवन के प्लिंथ संरक्षण की मरम्मत। **अनुमानित मूल्य**: रु 660.50 लाख। **ईएमडी**: रु 13,21,000/-. **पूरा होने का समय**: 12 महीने।

क्रमसंख्या- 5. कार्य का नाम: प्लेटफ़ॉर्म के बिना छत वाले हिस्सों पर नए सीओपी की व्यवस्था करना, और विद्याविहार-ठाणे सेक्शन में खराब हो चुके वैली गटर और डाउन-टेक पाइप को बदलना। **अनुमानित मूल्य**: रु 1294.55 लाख। **ईएमडी**: रु 25,89,100/-. **पूरा होने का समय**: 15 महीने।

क्रमसंख्या- 6. कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (दक्षिण) सीएसएमटी सेक्शन के अंतर्गत सीएसएमटी - कल्याण सेक्शन में 74 सेट डीवॉटरिंग पंप उपलब्ध कराना। **अनुमानित मूल्य**: रु 333.39 लाख। **ईएमडी**: रु 6,66,800/-. **पूरा होने का समय**: 4 महीने।

उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र,1 और 3 दिनांक 24.04.2026, क्र, 2, 4, 5 और 6 दिनांक 28.04.2026, को 15:00 बजे तक और 15:00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुध्दिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर भेट देने का अनुरोध है।

इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई-टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई-टेंडर के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृतिक नियम के अनुसार उपलब्ध किए गए ई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है।

अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल। फोन – 022-67455323 यह निविदाएं सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है। निवीदाओं संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र के ऊपर, छशिमट मुंबई–400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **AK-32**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

विभाग	:	जल अभियंता विभाग
उपविभाग	:	उप जल अभियंता भांडुप संकुल
महाटेंडर निविदा क्रमांक	:	2026_MCGM_1270528_1
विषय	:	110 के.वी. विद्युत उपकेंद्र, भांडुप संकुल में स्थित SCADA प्रणाली की मरम्मत करना
निविदा बिक्री	:	दिनांक 09.04.2026 समय 09:00 बजे से दिनांक 22.04.2026 समय 16:00 बजे तक
वेबसाइट	:	https://mahatenders.gov.in https://portal.mcgm.gov.in
संपर्क अधिकारी	:	सहायक अभियंता (110 केवी उपकेंद्र), भांडुप संकुल
अ) नाम	:	श्री राजेंद्र पी. धनवडे
ब) दूरभाष (कार्यालय)	:	022-25658539
(क) मोबाइल नंबर	:	9930260383
(ड) ई-मेल पता	:	aesubstnbc.he@mcgm.gov.in

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (SIPS)
भांडुप संकुल

पीआरओ/46/विज्ञा./2026-27

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आना

मिडिल ईस्ट के रेगिस्तानों से उठी बारूद की गंध भले ही दो हफ्ते के युद्धविराम की घोषणा के साथ कुछ कम हुई हो, लेकिन इस खूनी संघर्ष ने अमेरिकी कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप की 'आयरन फिस्ट' रणनीति के खोखलेपन को पूरी तरह उजागर कर दिया है। 'खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आना'— यह कहावत आज वाशिंगटन की उन फाइलों पर सटीक बैठती है, जिनमें ईरान के तख्तापलट का ख्वाब बुना गया था। 28 फरवरी को अली खामेनेई की हत्या कर ट्रंप ने जिस 'न्यू ऑर्डर' की नींव रखने की कोशिश की थी, वह न केवल धराशायी हो गई, बल्कि उसने एक ऐसे जख्म को जन्म दे दिया है जिसकी कीमत अब पूरी दुनिया को तेल की बढ़ी हुई कीमतों और अस्थिरता के रूप में चुकानी होगी। ट्रंप का यह दुस्साहस कूटनीतिक इतिहास में एक ऐसी बड़ी भूल के रूप में दर्ज होगा, जहाँ लक्ष्य आसमान छूने के थे लेकिन धरातल की हकीकत से उनका कोई वास्ता नहीं था। ट्रंप का सबसे बड़ा भ्रम ईरान की आंतरिक शक्ति का गलत आकलन रहा। ठीक वैसी ही रणनीतिक चूक, जैसी चार साल पहले व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को लेकर की थी। वाशिंगटन के रणनीतिकारों को लगा था कि चंद हवाई हमले और शीर्ष नेतृत्व का सफाया ईरान को घुटनों पर ले आएगा, लेकिन ईरान ने अपनी सैन्य प्रतिरोध क्षमता से न केवल इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी हितों को दहलाया, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि एक घायल मुल्क अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए किस हद तक जा सकता है। सत्ता परिवर्तन की जिस पटकथा को ट्रंप ने अपनी सहमति के बिना अवैध घोषित किया था, वह मोजतबा खामेनेई के उत्तराधिकार के साथ और भी अधिक कट्टरपंथी होकर उभरी। ट्रंप यह भूल गए कि मिसाइलें नेतृत्व तो मार सकती हैं, लेकिन उन विचारधाराओं और व्यवस्थाओं को नहीं मिटा सकतीं जो दशकों के संघर्ष से उपजी हैं। बिना जमीनी सेना उतारे एक विशाल और भौगोलिक रूप से जटिल देश में तख्तापलट की उम्मीद करना किसी बचकानी जिद से कम नहीं था। विडंबना देखिए कि जिस ईरान को अमेरिका भीतर से खोखला मान रहा था, ट्रंप के हमलों ने उसे 'राष्ट्रवाद' के फेविकोल से चिपका कर एक कर दिया। साल की शुरुआत में जो जनता खामेनेई प्रशासन के खिलाफ सड़कों पर उतरी थी, विदेशी आक्रमण के पहले धमाके के साथ ही वह अपनी संप्रभुता की ढाल बन गई। पुलों और पावर प्लांटों पर 'ह्यूमन चेन' बनाकर खड़े ईरानी नागरिक ट्रंप के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक तमाचा थे। जो विरोध प्रदर्शन अमेरिका के लिए सत्ता परिवर्तन का औजार बन सकते थे, ट्रंप की उतावली ने उन्हें अमेरिकी विरोधी लहर में तब्दील कर दिया। आज ईरान पहले से कहीं अधिक एकजुट और आक्रामक है, और इसका श्रेय किसी और को नहीं बल्कि वाशिंगटन की अदूरदर्शी नीति को जाता है। इस युद्ध का सबसे स्थायी और घातक परिणाम 'होर्मुज स्ट्रेट' के रूप में सामने आया है। ईरान ने अपने इस 'तुरुप के इक्के' का इस्तेमाल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज दबा दी है। कल तक जो समुद्री रास्ता दुनिया के 20 फीसदी तेल के लिए निर्बाध गलियारा था, आज वहां ईरान 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है, वह भी क्रिप्टोकरेंसी में। ट्रंप चले थे ईरान को आर्थिक रूप से पंगु बनाने, लेकिन वे उसे एक ऐसी नई राजस्व प्रणाली दे गए जो वैश्विक तेल बाजार को हमेशा के लिए अस्थिर कर सकती है। होर्मुज का यह 'नया टोल' दुनिया भर के उपभोक्ताओं की जेब पर ट्रंप के युद्ध की वह ईएमआई है, जिसे दशकों तक चुकाना होगा। अंततः, यह युद्धविराम किसी जीत का ऐलान नहीं, बल्कि एक थकी हुई महाशक्ति की वह वापसी है, जिसने हाथ कुछ नहीं लगाया और जो कुछ पास था, उसे भी जोखिम में डाल दिया।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी लोकतंत्र का शुभ संदेश

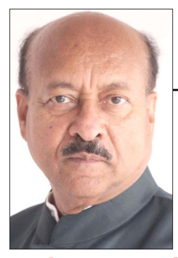

ब्रजमोहन श्रीवास्तव
पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा

वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएं ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच और पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं उत्कृष्ट नेतृत्व देने में सक्षम हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी के 2013 के नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक आवश्यक और प्रभावी घटक बन चुका है।

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। फिर भी विडंबना यह रही कि राष्ट्रीय स्तर पर कानून-निर्माण में उनकी भागीदारी अपेक्षाकृत नगण्य रही। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, किंतु संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक उनकी उपस्थिति राजनीतिक परिस्थितियों, दलों की प्राथमिकताओं और नेतृत्व की इच्छाशक्ति पर निर्भर रही। लगभग तीन दशकों के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया, बल्कि महिलाओं के सतत प्रयासों, संघर्षों और हर क्षेत्र में अपनी योग्यता सिद्ध करने का परिणाम है। महिला आरक्षण के रूप में संविधान का 106वां संशोधन अधिनियम, 2023 पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे नीति-निर्माण और कानून-निर्माण में बराबरी की भागीदार होंगी। यह ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण माना जा रहा है। उनका यह स्पष्ट मत रहा है कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी देने में पहले ही अत्यधिक विलंब हो चुका है, इसलिए अब इसे और टाला नहीं जा सकता। यद्यपि इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है, इसलिए इसका प्रभाव 2029 के आम चुनावों से देखने को मिल सकता है। महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों की यह यात्रा 1992–93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों से शुरू हुई, जब पंचायतों और नगरीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। इसके बाद कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू है। इसके परिणामस्वरूप महिलाएं अध्यक्ष, महापौर, पार्षद और नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व कर रही हैं। पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है।

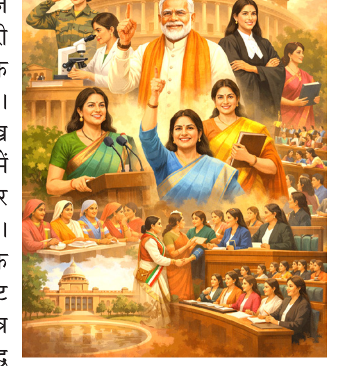

वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएं ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच और पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं उत्कृष्ट नेतृत्व देने में सक्षम हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी के 2013 के नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक आवश्यक और प्रभावी घटक बन चुका है। यह बदलाव इस तथ्य को रेखांकित करता है कि निर्णय-निर्माण के हर स्तर पर महिलाओं की भागीदारी न केवल संतुलन लाती है, बल्कि संस्थानों को अधिक उत्तरदायी भी बनाती है। महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना इसी क्रमिक विकास का परिणाम है। इससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है। इससे देश की लगभग आधी आबादी, जो अब तक मुख्यतः मतदाता की भूमिका तक सीमित थी, आने वाले समय में कानून-निर्माता के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाएगी। कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु यह समझना आवश्यक है कि महिलाओं को समान अधिकार देना किसी राजनीतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने का नैतिक दायित्व है। इस दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पिछले वर्षों में बनी अधिकांश नीतियां पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से प्रभावित रही हैं, जिसके कारण कई बार बुनियादी आवश्यकताओं की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने इस असंतुलन को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में शामिल होती हैं, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, व्यावहारिक और समावेशी होते हैं। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि जहां महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, वहां शासन अधिक प्रभावी, नीतियां अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है। आज महिलाएं उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निर्माता भी बनेंगी। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए।

हमारी गीता

गुडाकेश अर्जुन

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

हम अपनी तुलना अर्जुन से जरूर करते हैं। अर्जुन जीव है, मानव है; इस दृष्टि से हम अर्जुन हैं। परंतु जब हम अपने शरीर, मन और बुद्धि जैसे उपकरणों को टटोलकर देखते हैं, तब हमें वास्तविक बोध होता है कि हम अर्जुन हैं, दुर्योधन हैं या धृतराष्ट्र। धर्म को जानकर भी उसका पालन न करने वाला 'दुर्योधन' है, जबकि मोहासक्ति में अंधा व्यक्ति 'धृतराष्ट्र' है। अर्जुन युद्ध करने से मना करता है, रोता है; परंतु उसके उज्जवल और उदात्त व्यक्तित्व को भगवान श्रीकृष्ण पूर्णतः जानते हैं। यही कारण है कि समझाते या डांटते समय भगवान अर्जुन को भिन्न-भिन्न नामों से पुकारते हैं। 'नाम में क्या रखा है?' ऐसा मानने वाली हमारी संस्कृति नहीं है। हमारी परंपरा में नाम का बड़ा माहात्म्य है। यदि कोई कहे कि 'नाम में क्या रखा है?' तो हम कहेंगे कि भाई, नाम में ही सब कुछ रखा है। नाम जप की साधना न केवल हिंदू धर्म, बल्कि विश्व के लगभग सभी धर्मों में सुझाई गई है। माला से जाप करने की परंपरा सर्वव्यापी है। परंतु यहाँ केवल नामजप का विषय नहीं है, यहाँ युद्ध का विषय है। हमारा जीवन द्वंद्व से भरा है और इस द्वंद्व को मिटाने का उपाय ढूंढते समय अर्जुन और भगवान के नामों का विचार करना अत्यंत जरूरी है।

सोना और पीतल दिखने में एक जैसे हो सकते हैं, परंतु उनके मूल्य तथा उपयोग में जमीन-आसमान का अंतर होता है। दुर्योधन और अर्जुन दोनों रणांगण में हैं। उनका पहनावा और मुकुट भी एक जैसा हो सकता है, इसलिए केवल बाहरी दिखावे पर नहीं जाना चाहिए।

अर्जुन का एक नाम 'गुडाकेश' है। 'गुडाका' का अर्थ है निद्रा। निद्रा का ईश गुडाकेश है, अर्थात जिसने निद्रा और आलस्य को जीत लिया है। निद्रा को जीतने का गहरा अर्थ इंद्रियों पर संयम, वैराग्य और सात्विकता है। भगवान उन्हें 'परंतप' कहकर भी पुकारते हैं। 'पर' का अर्थ है पराया। जहाँ एकत्व होता है वहाँ युद्ध नहीं होता, परंतु अपने और पराए के भेद को तपाने या जलाने वाला 'परंतप' है। सद्गुण होते हुए भी अर्जुन मोहवश हो गया है; अब इस मोह का उपाय सबके अंतर्यामी 'हृषीकेश' ही बताएंगे।

शख्सियत महापंडित राहुल सांकृत्यायन

घुमक्कड़ी और विद्वत्ता के शिखर पुरुष

हिंदी साहित्य जगत में 'महापंडित' के नाम से विख्यात राहुल सांकृत्यायन एक ऐसी विलक्षण विभूति थे, जिन्होंने अपनी लेखनी और पैरों की गति के बीच कभी अंतर नहीं आने दिया।

वे केवल एक लेखक ही नहीं, बल्कि एक महान अन्वेषक, बहुभाषाविद, इतिहासकार और क्रांतिकारी विचारक भी थे। उनका जीवन दर्शन 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' के सूत्र पर टिका था, जिसका अर्थ है कि ज्ञान की प्राप्ति केवल बंद कमरों में नहीं, बल्कि दुनिया की धूल छानने और संघर्षों को करीब से देखने में निहित है। राहुल सांकृत्यायन का जन्म 9 अप्रैल 1893 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के पंदहा गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम केदारनाथ पांडे था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय मदरसे और स्कूल में हुई, लेकिन उनका मन कभी भी पारंपरिक सीमाओं में नहीं बंधा। किशोरावस्था में ही वे घर से भाग निकले और साधु-संतों की टोली में शामिल हो गए। इस दौरान उन्होंने संस्कृत, व्याकरण और दर्शन का गहरा अध्ययन किया। उनका जीवन एक निरंतर खोज की यात्रा थी। इसी खोज ने उन्हें आर्य समाज से होते हुए बौद्ध धर्म की ओर मोड़ा। 1930 में श्रीलंका जाकर उन्होंने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली और केदारनाथ पांडे से 'राहुल' बन गए। 'सांकृत्यायन' उनके गोत्र का नाम था। बौद्ध धर्म के प्रति उनका लगाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि बौद्धिक और दार्शनिक भी था। राहुल जी की सबसे बड़ी उपलब्धि उनकी चार बार की तिब्बत यात्राएं मानी जाती हैं। उस समय तिब्बत जाना अत्यंत दुर्गम और खतरनाक था, लेकिन वे अपनी जान जोखिम में डालकर वहां पहुंचे। उन्होंने वहां से हजारों प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियां, चित्र और दुर्लभ ग्रंथ खोज निकाले, जिन्हें भारत से विलुप्त माना जाता था। वे इन ग्रंथों को 22 खच्चरों पर लादकर भारत लाए और उन्हें पटना संग्रहालय को सौंप दिया। उनके इस साहसिक कार्य ने भारत के प्राचीन इतिहास और बौद्ध दर्शन के लुप्त अध्यायों को पुनः जीवित कर दिया।

साहित्य और भाषा पर पकड़

राहुल सांकृत्यायन को 36 से अधिक भाषाओं का ज्ञान था, जिनमें हिंदी, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, तिब्बती, रूसी, चीनी और अंग्रेजी प्रमुख थीं। उन्होंने साहित्य की लगभग हर विधा में लिखा। उनकी पुस्तक वोल्गा से गंगा वैश्विक स्तर पर चर्चित हुई, जो मानव सभ्यता के विकास को कहानियों के माध्यम से दर्शाती है। इसके अलावा 'दर्शन-दिग्दर्शन', 'मध्य एशिया का इतिहास' और उनकी आत्मकथा 'मेरी जीवन यात्रा' हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी कृति 'मध्य एशिया का इतिहास' के लिए उन्हें 1958 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राहुल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे केवल एक विद्वान नहीं थे, बल्कि सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर भी थे। वे किसान आंदोलनों से जुड़े रहे और जेल भी गए। जीवन के उत्तरार्ध में वे मार्क्सवाद से प्रभावित हुए और साम्यवादी विचारधारा को भारतीय परिप्रेक्ष्य में समझाने का प्रयास किया। उनका मानना था कि सच्चा साहित्य वही है जो समाज के वंचित वर्ग की आवाज बने। 14 अप्रैल 1963 को दार्जीलिंग में इस महान घुमक्कड़ का निधन हुआ। उन्होंने हिंदी साहित्य को लगभग 150 से अधिक पुस्तकें दीं। राहुल सांकृत्यायन ने अपने पैरों से धरती नापी और अपनी कलम से इतिहास की धूल झाड़कर उसे वर्तमान के सामने स्पष्ट किया।

जीवन ऊर्जा

सीसी कवि चार्ल्स बौदलेयर : जन्म : 9 अप्रैल 1821 जन्म

सबसे सुंदर चीज वह है जिसका कोई उपयोग न हो

सीसी कवि चार्ल्स बौदलेयर का जन्म 9 अप्रैल 1821 को पेरिस में हुआ! वे आधुनिक यूरोपीय कविता के प्रमुख स्तंभ और प्रतीकवाद के जनक माने जाते हैं। उनके संग्रह लेस फ्लावर्स डु मल' ने सौंदर्य और आधुनिक जीवन के अंतर्विरोधों को दर्शाया, जिसने वैश्विक साहित्य पर गहरा प्रभाव डाला। इनका निधन 31 अगस्त 1867 को पेरिस शहर में हुआ।

बुद्धिमान व्यक्ति वह है जिसने कभी भी अपने बचपन को नहीं खोया। महान होने का केवल एक ही तरीका है: अपने आप में रहना। जीवन एक अस्पताल है जहां हर मरीज बिस्तर बदलने की इच्छा रखता है। ईश्वर एकमात्र ऐसा प्राणी है जिसे शासन करने के लिए अस्तित्व में रहने की भी आवश्यकता नहीं है। स्वतंत्र व्यक्ति! तुम हमेशा समुद्र को प्यार करोगे। सबसे सुंदर चीज वह है जिसका कोई उपयोग न हो। कल्पना सत्य की रानी है। समय हमें धीरे-धीरे निगलता रहता है। उदासी मेरी प्रकृति का सबसे गहरा हिस्सा है। सौंदर्य हमेशा अजीब होता है। कला एक ऐसा जादुई आईना है जिसे हमने अपने ही चेहरे के सामने रखा है। कविता का उद्देश्य केवल कविता ही होना चाहिए। जो कुछ भी सुंदर है, वह किसी न किसी रूप में दुखद भी है। बिना कल्पना के कोई भी कला जीवित नहीं रह सकती। कलाकार केवल वह है जो अपनी आत्मा को चित्र में उतार सके। सच्चा दार्शनिक वह है जो सौंदर्य में भी तर्क ढूंढ ले। नशा करो! चाहे वह शराब का हो, कविता का हो या सद्गुण का। संगीत वह गहराई है जो शब्दों के खत्म होने पर शुरू होती है। एक महान कलाकार हमेशा अपने समय से आगे होता है। प्रेम एक ऐसा अपराध है जिसमें एक साथी का होना अनिवार्य है।

नफरत एक कीमती शराब है, इसे सावधानी से पीना चाहिए। हृदय एक ऐसा गहना है जिसे केवल प्रेम से ही तराशा जा सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी धोखाधड़ी प्रेम है। आंसू आत्मा की खिड़कियां हैं। स्मृति एक ऐसी जगह है जहाँ हम खोई हुई चीजों को ढूंढते हैं। क्रूरता भी कभी-कभी सुंदरता का एक हिस्सा होती है। शैतान की सबसे बड़ी चाल यह है कि वह हमें विश्वास दिला देता है कि उसका अस्तित्व नहीं है। पेरिस बदलता है, लेकिन मेरा दुख कभी नहीं बदलता। भीड़ में अकेला होना एक कला है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संपूर्ण जीवनदर्शन का सार

भारतीय संस्कृति में रामायण केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। इसके प्रत्येक प्रसंग में धर्म, कर्तव्य, त्याग, प्रेम और मर्यादा का अद्भुत समन्वय मिलता है। किन्तु आश्चर्य की बात यह है कि इतनी विशाल और विस्तृत रामायण का सार केवल एक श्लोक में समाहित कर दिया गया है, जिसे "एकश्लोकी रामायण" कहा जाता है। यह श्लोक न केवल घटनाओं का संक्षिप्त वर्णन करता है, बल्कि पूरे जीवनदर्शन को अत्यंत सरल रूप में प्रस्तुत करता है।

आदौ रामतपोवनादिगमनं हत्वा मृगं कांचनं
वैदेहीहरणं जटायुमरणं सुग्रीवसंभाषणम् ।
वालीनिर्दलनं समुद्रतरणं लंकापुरीदाहनं
पश्चाद्रावणकुंभकर्णहननं एतद्धि रामायणम् ॥

इस श्लोक का अर्थ है कि प्रारंभ में भगवान श्रीराम वनवास के लिए तपोवन को जाते हैं। वहां स्वर्ण मृग का वध करते हैं। उसी दौरान माता सीता का रावण द्वारा हरण किया जाता है। उनकी रक्षा करते हुए पक्षीराज जटायु अपने प्राणों का बलिदान देते हैं। आगे चलकर श्रीराम की मित्रता सुग्रीव से होती है और वे उसके अन्यायी भाई बालि का वध करते हैं। फिर समुद्र पर सेतु बनाकर उसे पार किया जाता है, लंका का दहन होता है और अंत में रावण तथा कुंभकर्ण का संहार किया जाता है। यही पूरी रामायण का सार है। यह श्लोक केवल घटनाओं का क्रम नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के संघर्ष और विजय की कहानी भी है। श्रीराम का वनवास हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। स्वर्ण मृग का प्रसंग यह बताता है कि आकर्षण और मोह कई बार संकट का कारण बनते हैं। सीता हरण का प्रसंग हमें सतर्कता और संयम का संदेश देता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

जटायु का बलिदान त्याग और साहस की सर्वोच्च मिसाल है, जो यह सिखाता है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए जीवन भी अर्पित किया जा सकता है। सुग्रीव से मित्रता यह दर्शाती है कि कठिन समय में सच्चे सहयोगी का साथ कितना महत्वपूर्ण होता है। बालि वध न्याय की स्थापना का प्रतीक है, जहां अधर्म का अंत निश्चित होता है। समुद्र पर सेतु निर्माण यह दर्शाता है कि असंभव दिखने वाली बाधाएं भी दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास से पार की जा सकती हैं। लंका दहन और रावण वध यह संदेश देते हैं कि अहंकार, अन्याय और अधर्म का अंत निश्चित है, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो। एकश्लोकी रामायण का महत्व इस बात में भी है कि यह हमें स्मरण कराता है कि जीवन एक संघर्ष यात्रा है, जिसमंप हर मोड़ पर परीक्षा होती है। लेकिन यदि व्यक्ति सत्य, धैर्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहता है, तो अंततः विजय उसी की होती है। आज के समय में, जब जीवन तेजी से बदल रहा है और लोग तनाव, भ्रम और नैतिक द्वंद्व से गुजर रहे हैं, यह एक श्लोक एक दीपक की तरह मार्गदर्शन करता है।

अपने विचार

अमंगल दोष' से ग्रसित है बिहार का स्वास्थ्य विभाग ।बिहार के अस्पतालों में कहीं डॉक्टर नहीं, कहीं रूई नहीं– रूई है तो सुई नहीं, कहीं दवा नहीं, कहीं बेड नहीं... और अब हालत यह है कि अस्पताल में मरीज के लिए व्हील चेयर तक उपलब्ध नहीं है।

-तेजस्वी यादव
अध्यक्ष, आरजेडी

तेजस्वी यादव शराबबंदी कानून पर सवालिया निशान खड़ा रहे हैं। उनसे अनुरोध है कि वो अपने परिवार के सदस्यों और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तथा विधान पार्षद ,राजद के पदाधिकारियो काहस्ताक्षर करवाइए कि शराबबंदी कानून खत्म होना चाहिए ।शराबबंदी गलत है।

-नीरज कुमार
नेता, जेडीयू

ज्ञानेश कुमार पर भरोसा नहीं किया जा सकता. चुनाव आयोग वोट चोरी करने की कोशिश कर रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के जरिए बंगाल में लाखों नाम काटे जा रहे हैं। इससे गरीब, अल्पसंख्यक और बंगाली वोटर प्रभावित हो रहे हैं।

-डेरेक ओब्रायन
टीएमसी सांसद

प्राकृतिक आपदा के कारण अन्नदाता का चिंतित होना स्वाभाविक है। राजस्व और कृषि विभाग की टीमें हर खेत तक पहुँचें और केवल मुख्य काश्तकार ही नहीं, बल्कि प्रभावित बटाईदारों के नुकसान का भी सटीक और निष्पक्ष आकलन करें। सर्वेक्षण की रिपोर्ट तत्काल शासन को भेजने के निर्देश दें।

-योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई–400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई-रायगढ़ बनेगा डायनामिक शहरी हब

मुंबई। वियतनाम की विन्ग्रुप जॉइंट स्टॉक कंपनी ने महाराष्ट्र में सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट, इंडस्ट्रियल और टूरिज्म ग्रोथ के लिए करीब 6.5 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इस संबंध में कंपनी ने इंडस्ट्रीज़ डिपार्टमेंट और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विन्ग्रुप का यह निवेश राज्य में ग्रीन एनर्जी, मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर और डायनामिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बढ़ावा देगा। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि इससे सस्टेनेबल विकास को नई दिशा मिलेगी। यह MoU मुख्यमंत्री के आधिकारिक निवास 'वर्षा' पर आयोजित कार्यक्रम में साइन किया गया। इस मौके पर MMRDA के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी, इंडस्ट्रीज़ डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी पी. अंबाल्गन और विन्ग्रुप (एशिया ऑपरेशंस) के CEO फाम सान चाऊ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई और रायगढ़ क्षेत्र आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाला एक डायनामिक शहरी केंद्र बनेगा। विन्ग्रुप का यह प्रोजेक्ट आधुनिक, एकीकृत और मजबूत शहरी वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फडणवीस ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्षम है और निवेशकों को सीधे अधिकारियों से संपर्क करने की सुविधा भी दी जाएगी।

महारेरा ओपन सेशन में 37 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को मिली राहत

नागपुर/मुंबई। नागपुर स्थित महारेरा मुख्यालय में आयोजित विशेष ओपन सेशन में 37 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स से जुड़े मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। ये सभी प्रोजेक्ट्स डेडलाइन बढ़ाने से संबंधित थे, जो प्रस्तावों में त्रुटियों के कारण लंबित पड़े थे। इस विशेष सत्र में डेवलपर्स द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों में मौजूद कमियों को तत्काल दूर किया गया, जिससे उन्हें तुरंत मंजूरी मिलने का रास्ता साफ हुआ। इससे कई परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सेशन में महारेरा मुख्यालय और नागपुर कार्यालय के अधिकारी, डिप्टी सेक्रेटरी, 37 प्रोजेक्ट्स के डेवलपर्स और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए। साथ ही NAREDCO और CREDAI जैसे डेवलपर्स के सेल्फ-रेगुलेटरी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। महारेरा के अनुसार, नए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के रजिस्ट्रेशन के दौरान डेवलपर्स को विशेषज्ञों से मदद मिलती है, लेकिन पूरी जानकारी के अभाव में कई बार प्रस्तावों में त्रुटियां रह जाती हैं, जिससे मंजूरी में देरी होती है। डेवलपर्स की मांग पर, हेडक्वार्टर की तर्ज पर नागपुर में दूसरी बार यह ओपन सेशन आयोजित किया गया। इसमें ज्यूडिशियल, फाइनेंशियल और टेक्निकल विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में तय शेड्यूल के अनुसार समस्याओं का समाधान किया गया, जिससे प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

रेलवे ट्रैक पर लॉन्च हुआ सबसे भारी पोर्टल बीम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत मणिनगर में अहमदाबाद-वडोदरा रेलवे लाइन के ऊपर लगभग 1360 मीट्रिक टन वजनी प्रीकास्ट-प्रेस्ट्रेस्ड पोर्टल बीम की सफल लॉन्चिंग की गई है। इस उपलब्धि की जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खुद साझा की।

पहले लगते 9 घंटे, अब समय में बड़ी बचत

पहले इस तरह के काम के लिए करीब 9 घंटे तक ट्रैफिक रोकने की जरूरत पड़ती थी और छह महीने तक सावधानी बरतने की योजना बनाई जाती थी। लेकिन नई तकनीक और बेहतर योजना के चलते इस बार समय में भारी कमी आई है, जो प्रोजेक्ट की गति को दर्शाता है। इस भारी बीम को उठाने के लिए 2200 मीट्रिक टन क्षमता वाले क्रॉलर क्रेन का उपयोग किया गया। इसके अलावा 260 टन का स्टैंडबाय क्रेन, 80 टन का अतिरिक्त क्रेन, मैन लिफ्टर और एंकरिंग फ्रेम जैसी आधुनिक मशीनों की मदद से इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। यह पोर्टल बीम 34 मीटर लंबी और 5.5 मीटर x 4.5 मीटर क्रॉस-सेक्शन वाली प्रीकास्ट कंक्रीट संरचना है। मणिनगर स्टेशन के पास ऐसे कुल पांच बीम लगाए जाने की योजना है। भविष्य में इस मार्ग पर नीचे सामान्य ट्रेन और ऊपर बुलेट ट्रेन चलने की व्यवस्था होगी।

महज साढ़े तीन घंटे में पूरा हुआ चुनौतीपूर्ण कार्य

एनएचएसआरसीएल के अनुसार, यह जटिल कार्य सिर्फ साढ़े तीन घंटे से भी कम समय में पूरा कर लिया गया। इसके लिए भारतीय रेलवे के साथ समन्वय बनाकर ट्रैफिक और बिजली आपूर्ति को अस्थायी रूप से रोका गया था, जिससे काम सुरक्षित और तेज़ी से हो सका।

फायर विभाग को मिली हाईटेक गाड़ियां

मेयर ने किया अत्याधुनिक गाड़ियों और मशीनों का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के फायर, सॉलिड वेस्ट और गार्डन विभागों को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए नई अत्याधुनिक गाड़ियों और मशीनों का उद्घाटन मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने किया। मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न दलों के नगरसेवकों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। मेयर ने बताया कि फायर विभाग में आर्टिकुलेटिंग वॉटर टावर जैसी आधुनिक गाड़ियां शामिल की गई हैं, जो पूरी तरह ऑटोमैटिक हैं और 4000 लीटर पानी क्षमता के साथ 35 मीटर ऊंचाई तक आग बुझाने में सक्षम हैं। इससे आपातकालीन सेवाओं को और तेज व प्रभावी बनाया जा सकेगा।

सफाई के लिए मॉडर्न रोड स्वीपर मशीनें

शहर की सड़कों की सफाई को बेहतर बनाने के लिए चार मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनें भी शामिल की गई हैं। इन मशीनों का उद्देश्य सड़कों को धूलमुक्त रखना, सफाई के आधुनिक मानक स्थापित करना और मैनुअल सफाई पर निर्भरता कम करना है। गार्डन विभाग को खतरनाक और ऊंचे पेड़ों की छंटाई के लिए हाइड्रोलिक एरियल लिफ्ट दी गई है। यह उपकरण पारंपरिक सीढ़ियों की तुलना में अधिक सुरक्षित है और पेड़ों की शाखाओं को तेजी से काटने में सहायक होगा। मेयर पिंपलोलकर ने कहा कि इन नई सुविधाओं से मानसून से पहले शहर में इमरजेंसी सेवाओं, सड़क सफाई और पेड़ों की छंटाई के कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि इससे नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित सेवाएं मिलेंगी।

5 दिनों में 62.83 लाख एलपीजी सिलेंडर वितरित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने 1 से 5 अप्रैल 2026 के बीच 132.81 टीएमटी पेट्रोल और 277.64 टीएमटी डीज़ल की बिक्री दर्ज की। देशभर में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए इस दौरान 30,994 टैंकर रवाना किए गए, जिससे हर क्षेत्र में समय पर ईंधन पहुंच सुनिश्चित की गई।

डिजिटल बुकिंग बढ़ी, निगरानी में सख्ती और कार्रवाई तेज

5 अप्रैल को 96.4 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की गई, जिससे पारदर्शिता और सुविधा में वृद्धि हुई। वहीं 14 मार्च से 5 अप्रैल के बीच 4,110 निरीक्षण कर 55 डिस्ट्रीब्यूटर्स पर कार्रवाई की गई और 22 को निलंबित किया गया।

एलपीजी वितरण में मजबूती, छोटे सिलेंडरों पर भी जोर

इसी अवधि में एचपीसीएल ने 62.83 लाख एलपीजी सिलेंडरों का वितरण किया। इसके साथ ही 5 किलो और 2 किलो के छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाकर प्रवासी मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की जरूरतों को पूरा किया गया, जिससे कंपनी की 'सभी तक पहुंच' की नीति को बल मिला।

आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज का 'नक्षत्र 2026' वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

डीबीडी संवाददाता | नालासोपारा

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज का वार्षिकोत्सव "नक्षत्र 2026" मिरा रोड स्थित लता मंगेशकर नाट्यगृह में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर पहली बार अंतर महाविद्यालयीन फैशन शो प्रतियोगिता "अदा - द वॉक ऑफ ग्रेस" का आयोजन हुआ, जिसमें मुंबई के कई कॉलेजों ने भाग लिया। कार्यक्रम में फिल्मी कलाकार अरमान साहिल, नेहा पटेल और दीपा देव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में आर.ए. पोद्दार आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज (वरली) ने पहला स्थान, नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज ने दूसरा और रिद्धि विनायक नर्सिंग कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण से सजी शाम

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटिका, गीत और फैशन शो जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही वर्षभर आयोजित कला, क्रीड़ा और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट, मेडल और ट्रॉफी प्रदान की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रणव महाजन को "एनएसएस एक्सीलेंस अवॉर्ड" तथा सुरेल विनायक भिडे को "स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2025-26" से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथियों ने किया मार्गदर्शन, वार्षिक पत्रिका का विमोचन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. उदय निरगुडकर ने कॉलेज की वार्षिक पत्रिका "कृति - द वर्ल्ड ऑफ एनएएमसी 2025-26" का विमोचन किया और विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और नवाचार के महत्व पर प्रेरित किया। विशेष अतिथि आर्किटेक्ट निलेश कारखानीस ने कॉलेज की प्रगति की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी, प्राचार्या, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थी परिषद के जनरल सेक्रेटरी गौरव मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मुंबई-धनबाद के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरू

मुंबई। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी), मुंबई और धनबाद के बीच नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू की है। ट्रेन संख्या 13380 एलटीटी-धनबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस हर बुधवार को शाम 4:55 बजे मुंबई से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 8:00 बजे धनबाद पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 13379 धनबाद-एलटीटी एक्सप्रेस हर सोमवार रात 11:00 बजे धनबाद से चलकर तीसरे दिन दोपहर 1:40 बजे मुंबई पहुंचेगी। यह ट्रेन कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सिंगरौली, रेनुकूट, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, रांची रोड, बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी। इससे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

सोलापुर स्टेशन पर सिग्नलिंग कार्य, आज होंगीं कई ट्रेनें प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीज़न में 9 अप्रैल 2026 को सिग्नलिंग कार्य के चलते सोलापुर स्टेशन पर दोपहर 1:15 बजे से शाम 6:15 बजे तक पांच घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक स्टेबलिंग लाइन 1 और 2 को चालू करने के लिए किया जा रहा है, जिससे इस रूट से गुजरने वाली कई ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी।

कुछ ट्रेनों का रूट बदला, सोलापुर सेक्शन पर सेवा बंद

ब्लॉक के कारण विजयपुरा-रायचूर पैसेंजर (57662) और रायचूर-विजयपुरा पैसेंजर (57661) ट्रेनों को डायवर्ट किया जाएगा। ये ट्रेनें होटगी-वाड़ी मार्ग से चलेंगी, जिससे होटगी-सोलापुर-होटगी सेक्शन के बीच ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से बंद रहेगी। इससे स्थानीय यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कई एक्सप्रेस ट्रेनें देरी से चलेंगी, यात्रियों को सलाह

इस दौरान कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को 30 मिनट से लेकर 1 घंटे 15 मिनट तक रेगुलेट किया जाएगा, जिनमें मुंबई-विशाखापत्तनम, पुणे-भुवनेश्वर, उद्यान एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी लें और उसी के अनुसार अपनी योजना बनाएं।

भारत में एलपीजी आपूर्ति बरकरार

18 करोड़ से अधिक सिलेंडर डिलीवर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दुनिया भर में ऊर्जा संकट और ईंधन की कमी के बीच भारत ने एलपीजी की उपलब्धता को बनाए रखा है। देश अपनी करीब 60 फीसदी एलपीजी जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे संवेदनशील मार्ग पर। इसके बावजूद सरकार ने आपूर्ति को सुरक्षित रखने और घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाए हैं।

स्थानीय समस्याओं पर नियंत्रण

कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी में देरी की घटनाएं सामने आईं, जो मुख्यत: मांग में अचानक वृद्धि और स्थानीय स्तर की दिक्कतों के कारण थीं। सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने इन समस्याओं के समाधान के लिए वितरण प्रणाली को मजबूत किया है। साथ ही, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों सहित उपभोक्ताओं को वैश्विक कीमतों के असर से बचाने के लिए कदम उठाए गए हैं, जिससे एलपीजी सुलभ और किफायती बनी हुई है।

रोजाना 60 लाख सिलेंडर सप्लाई, डिलीवरी समय सामान्य

सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि 1 मार्च 2026 से अब तक 18 करोड़ से अधिक एलपीजी सिलेंडर डिलीवर किए जा चुके हैं। देशभर में रोजाना 60 लाख से ज्यादा सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है और औसत डिलीवरी समय करीब तीन दिन बना हुआ है। इससे उपभोक्ताओं को बड़े पैमाने पर राहत मिली है।

ठाणे मनपा में जनगणना की तैयारी तेज

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका ने आगामी जनगणना को लेकर व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। एडिशनल कमिश्नर प्रशांत रोडे के अनुसार, फील्ड ट्रेनर्स की चरणबद्ध ट्रेनिंग और घर-घर जनगणना के पायलट इम्प्लीमेंटेशन की प्रक्रिया शहर के विभिन्न वार्डों में योजनाबद्ध तरीके से लागू की जा रही है।

78 फील्ड ट्रेनर्स की नियुक्ति, प्रशिक्षण जारी

जनगणना कार्य के लिए नौ वार्ड समितियों के तहत कुल 78 फील्ड ट्रेनर्स नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 39 को पहले चरण में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 6 से 8 अप्रैल के बीच माजीवाड़ा-मानपाड़ा, उथलसर, लोकमान्य-सावरकर और वर्तकनगर वार्डों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुए, जबकि 9 से 11 अप्रैल तक वागले, नौपाड़ा-कोपरी, कलवा, मुंब्रा और दिवा क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाएगी। उथलसर वार्ड समिति में पायलट आधार पर घरों की सूची तैयार करने की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य वास्तविक जनगणना के दौरान आने वाली संभावित कठिनाइयों का आकलन करना और प्रक्रिया को अधिक सरल व प्रभावी बनाना है। इस वर्ष जनगणना प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाया जा रहा है। घर-घर की जानकारी HLO ऐप के माध्यम से एकत्र की जाएगी, जिसमें घर के मालिकाना हक, संरचना और सुविधाओं जैसे टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और मोबाइल फोन जैसी जानकारी शामिल होगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष योजना फलीभूत होगी। मनमाफिक स्थानांतरण या पदोन्नति हो सकती है। कार्यस्थल पर सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से अच्छी खबर मिल सकती है।

वृष डूबी हुई रकम प्राप्त होने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। कोई बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि व भवन आदि के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में चैन रहेगा। शत्रु पस्त होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। धन की तंगी होगी। बेकार बातों पर ध्यान न दें। विचारों की स्पष्टता न होने से उलझनें रहेंगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में स्थानांतरण या परिवर्तन संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह प्रियजनों के साथ बेवजह रिश्तों में खटास आ सकती है। लोगों की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। हताशा का अनुभव होगा। मन की बात किसी को न बतलाएं। संवेदनशीलता बढ़ेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें।

कन्या पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। शैक्षणिक व शोध कार्य मनोनुकूल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट से आशातीत लाभ होगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। तनाव व चिंता में कमी होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

धनु चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की संभावना है। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। बिना वजह कहासुनी हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा यथासंभव टालें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धैर्य रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। कोई रुका काम बन सकता है। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ आत्मसम्मान बना रहेगा। अच्छी खबर प्राप्त होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भूले-बिसरे साथी तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

मीन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

रहस्यमय राहु: छाया ग्रह के प्रभाव और जीवन में बनने वाले जटिल योग

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष में राहु को एक छाया ग्रह माना गया है, लेकिन इसका प्रभाव किसी भी वास्तविक ग्रह से कम नहीं होता। यह ऐसा ग्रह है जो प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता, फिर भी जीवन के अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों को गहराई से प्रभावित करता है। राहु का स्वभाव रहस्यमय, मायावी और विच्छेदात्मक होता है, जो व्यक्ति के जीवन में अचानक परिवर्तन, भ्रम, आकर्षण और असामान्य परिस्थितियों को जन्म देता है। विशेष रूप से जब इसका संबंध विवाह, संबंधों और सामाजिक बंधनों से होता है, तब इसके प्रभाव और भी गहरे और जटिल हो जाते हैं।

ज्योतिषीय दृष्टि से राहु को भौतिक इच्छाओं, विदेशी संबंधों, भ्रम, छल और असामान्य मार्गों का कारक माना जाता है। जब राहु सप्तम भाव, उसके स्वामी या शुक्र ग्रह को प्रभावित करता है, तो यह वैवाहिक जीवन में असंतुलन, देरी, अंतर्जातीय संबंध, अलगाव या तलाक जैसी परिस्थितियों का निर्माण कर सकता है। यदि इस प्रभाव में शनि और सूर्य भी जुड़ जाएं, तो इन नकारात्मक परिणामों की तीव्रता और अधिक बढ़ जाती है। राहु और शनि की युति विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इससे शनि का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है, जो जीवन में संघर्ष और मानसिक दबाव को बढ़ा सकता है।

हालांकि राहु का प्रभाव हमेशा नकारात्मक नहीं होता। कुछ विशेष स्थितियों में यह अत्यंत शुभ फल भी प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, यदि राहु मेष, वृषभ या कर्क राशि में होकर तीसरे, छठे या ग्यारहवें भाव में स्थित हो, तो यह अनेक अशुभ प्रभावों को समाप्त कर देता है और व्यक्ति को साहस, प्रतिस्पर्धा में सफलता और लाभ के अवसर प्रदान करता है। इसी प्रकार यदि राहु केंद्र या त्रिकोण भावों में स्थित होकर उनके स्वामियों से संबंध बनाता है, तो यह राजयोग का निर्माण कर सकता है, जिससे व्यक्ति को उच्च पद, प्रतिष्ठा और सफलता प्राप्त होती है।

दसवें भाव में स्थित राहु व्यक्ति को नेतृत्व क्षमता और प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रदान करता है। ऐसे लोग अपने क्षेत्र में अलग पहचान बनाते हैं और भीड़ से हटकर सोचने की क्षमता रखते हैं। लेकिन यदि राहु सूर्य या चंद्रमा के साथ हो, तो यह उनके सकारात्मक गुणों को कमजोर कर सकता है, जिससे आत्मविश्वास में कमी और मानसिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। राहु का संबंध प्रेम और विवाह से भी गहराई से जुड़ा होता है। यदि इसकी दृष्टि सप्तम भाव, उसके स्वामी, मंगल या शुक्र पर पड़ती है, तो यह अंतर्जातीय विवाह या प्रेम विवाह की संभावना को बढ़ा देता है। ऐसे संबंध अक्सर सामाजिक मान्यताओं से हटकर होते हैं और इनमें आकर्षण तथा भावनात्मक जटिलता अधिक होती है। पंचम भाव में राहु की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह प्रेम, संतान और रचनात्मकता से जुड़ा होता है। यदि यहां राहु और शुक्र की युति हो, तो व्यक्ति प्रेम संबंधों में उलझ सकता है और कभी-कभी यह संबंध जीवन में समस्याएं भी उत्पन्न कर सकते हैं।

महिलाओं की कुंडली में पंचम भाव में राहु होने पर मासिक धर्म की अनियमितता या संतान संबंधी समस्याओं की संभावना बताई जाती है। यदि यह युति कर्क, वृश्चिक या मीन राशि में हो, तो भावनात्मक उलझनें और भी अधिक बढ़ सकती हैं। इसी प्रकार अष्टम भाव में राहु की स्थिति भी महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह अचानक घटनाओं, रहस्यों और गूढ़ विषयों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि इस भाव में राहु अग्नि या जल तत्व की राशियों में स्थित हो, तो जीवन में शल्य क्रिया या स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों की संभावना बढ़ जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आजमगढ़ से पहली महिला सांसद मोहसिना किदवई का निधन

आजमगढ़। देश की वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का दिल्ली में निधन हो गया। वह 94 वर्ष की थीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने सुबह लगभग चार बजे अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से राजनीतिक जगत में शोक की लहर फैल गई है। 1 जनवरी 1932 को जन्मी मोहसिना किदवई लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में रहीं और कांग्रेस पार्टी की प्रमुख नेताओं में गिनी जाती थीं। उनका गांधी परिवार से भी निकट संबंध रहा। उन्होंने केंद्र सरकार में मंत्री पद संभालने के साथ-साथ संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 1978 में उन्होंने आजमगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर इतिहास रचा था। वह इस क्षेत्र से निर्वाचित होने वाली पहली महिला सांसद बनीं। उस समय उन्होंने करीब 35 हजार मतों के अंतर से जीत दर्ज कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था। मोहसिना किदवई मूल रूप से आजमगढ़ की निवासी नहीं थीं और बाराबंकी से उनका संबंध रहा। इसके बावजूद उन्होंने यहां से चुनाव जीतकर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का परिचय दिया। उस दौर में प्रदेश और केंद्र दोनों जगह जनता पार्टी की सरकार थी, फिर भी मतदाताओं ने अलग निर्णय लेते हुए उन्हें समर्थन दिया।

ससुराल वालों ने महिला को जिंदा जलाकर मार डाला

बगहा। रामनगर थाना क्षेत्र के जोलहा टोली में मंगलवार की देर रात लगभग दो बजे एक विवाहिता को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का एक मामला सामने आया है। विवाहिता को प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका खुशबू नेशा उम्र 28 जोलहा टोली निवासी औरंगजेब खान उर्फ राजा खान की पत्नी थी। जोलहा टोली निवासी इस्लाम उर्फ बनफूल के घर से आग की लपट उठने लगी। साथ ही जोर जोर से चीखने चिल्लाने की आवाज आने लगी। जिसे सुन आस पड़ोस के लोग दौड़कर पहुंचे। देखा कि खुशबू के शरीर में आग लगी है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना 112 पुलिस टीम एवं थाने को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर स्थिति में उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। जहां मौके पर मौजूद चिकित्सक सुजीत कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसीएच रेफर कर दिया। बेतिया जीएमसीएच में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। चिकित्सक ने करीब 90 प्रतिशत तक जलने की बात कही है। इधर इसकी सूचना पर उसके स्वजन भी पहुंच गए। खुशबू नेशा के भाई शेख सद्दाम ने दहेज को लेकर बहन को पेट्रोल डालकर जलाकर मारने का आरोप ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया है। इधर घटना के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग घर में ताला बंद कर फरार हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फॉरेंसिक टीम भी बुधवार की सुबह पहुंचकर स्थल की जांच की और सैंपल एकत्र किए।

मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज होगा कर्मियों का 'काला चिट्ठा'

▶▶ विभागीय जांच की जानकारी अब होगी ऑनलाइन

▶▶ प्रमुख सचिव एम. देवराज ने जारी किया शासनादेश

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए 'मानव संपदा पोर्टल' को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब राज्य के सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ चल रही किसी भी प्रकार की विभागीय जांच या सतर्कता जांच का पूरा कच्चा-चिट्ठा ऑनलाइन उपलब्ध होगा। अब तक कई बार कर्मचारियों की विभागीय जांच की फाइलें दफ्तरों में दबी रह जाती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। शासनादेश के अनुसार, जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है।

'हां' या 'नहीं' से स्पष्ट होगी स्थिति

उसकी पूरी जानकारी उनकी ऑनलाइन सर्विस बुक में दर्ज की जाएगी। इससे प्रमोशन या ट्रांसफर के समय उनकी सही स्थिति तुरंत पता चल सकेगी। मानव संपदा पोर्टल पर कर्मचारियों के प्रोफाइल में विशेष कॉलम जोड़े गए हैं। यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच लंबित है, तो उसके फॉर्म के आगे 'हाँ' लिखा जाएगा, और यदि कोई जांच नहीं है, तो 'नहीं' दर्ज करना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया सभी ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से पूरी की जाएगी। प्रमुख सचिव एम. देवराज ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। डेटा अपडेट न करने या गलत जानकारी देने पर संबंधित ऑफिस एडमिन और नोडल अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

ऑफिस एडमिन और नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी

प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन को निर्देश दिया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगिन करें और अपने अधीन कार्यरत सभी कार्मिकों का डेटा अपडेट करें। एडमिन को यूजर लॉगिन विंडो के माध्यम से 'विभागीय कार्रवाई' की वर्तमान स्थिति को दर्ज करने के लिए एक विशेष प्रारूप (Format) भी भेजा गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शासन स्तर पर कर्मचारियों के डेटा को पारदर्शी बनाना है। अब उच्चाधिकारियों को किसी भी कर्मचारी के करियर रिकॉर्ड या उसके खिलाफ चल रही अनुशासनात्मक कार्रवाई को जानने के लिए फाइलों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक क्लिक पर पूरी जानकारी उपलब्ध होगी।

उत्तर भारत में बदला मौसम का मिजाज

▶▶ चारों धाम में बर्फबारी, राजस्थान में भी ओले गिरे

एजेंसी । लखनऊ/देहरादून

देश में एक साथ दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से मौसम बदल गया है। उत्तराखंड के चारों धाम-केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में बर्फबारी हो रही है। राज्य के सभी जिलों में बारिश हो रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर समेत कई जिलों में तूफानी बारिश के साथ ओले भी गिरे। कई जिलों में एक इंच से ज्यादा पानी बरसा। वहीं, भरतपुर जिले में मकान पर बिजली गिरने से सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। बारिश की वजह से तापमान में 7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। यूपी के मेरठ, बरेली और शाहजहांपुर में दोपहर में ओले गिरे।

एमपी में 3 चक्रवात एक्टिव

लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, जौनपुर, अलीगढ़ समेत 25 जिलों में आज तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पिछले हफ्ते आंधी-बिजली से 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश में 3 साइक्लोनिक एक्टिविटी हैं। मौसम

विभाग ने भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, पन्ना, सतना, रीवा समेत 18 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। दतिया, निवाड़ी, छतरपुर और टीकमगढ़ में ओले गिर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी । चंडीगढ़

हरियाणा में अब पूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में बीस प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। पहले यह आरक्षण दस प्रतिशत था। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। हरियाणा में अग्निवीरों का पहला बैच इसी साल आ रहा है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि

अग्निवीर नीति, 2024 को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे पूर्व अग्निवीरों के पुनर्वास, उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने तथा वर्दीधारी सेवाओं और सुरक्षा से संबंधित पदों में उनके कौशल का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

बिहार का स्वास्थ्य विभाग अमंगल दोष से ग्रसित: तेजस्वी यादव

एजेंसी । पटना

बिहार के स्वास्थ्य विभाग को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया। तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर तंज कसते हुए लिखा कि बिहार का स्वास्थ्य विभाग "अमंगल दोष" से ग्रसित हो चुका है।

अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के अस्पतालों में कहीं डॉक्टर नहीं हैं, तो कहीं दवाएं और जरूरी उपकरणों की भारी कमी है। यहां तक कि कई जगहों पर रूई, सुई और बेड बुनियादी चीजें भी उपलब्ध नहीं हैं।

सरकार पर स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट करने का आरोप

भाजपा-जदयू सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अस्पतालों में डॉक्टर, दवा और संसाधन ही नहीं हैं, तो उन्हें अस्पताल कहना भी उचित नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि केवल इमारतें बनाकर उन्हें मेडिकल कॉलेज या घोषित कर देने से स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत नहीं होतीं।

कमीशनखोरी का लगाया गंभीर आरोप

अपने पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों की इमारतें कमीशनखोरी के लिए बनाई जा रही हैं। यदि डॉक्टर, नर्स और तकनीकी स्टाफ की भर्ती नहीं होगी, तो ये भवन बेकार साबित होंगे। तेजस्वी यादव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बिना स्टाफ के बने अस्पतालों में मरीजों की जगह कबूतर रहेंगे। उन्होंने इसे सरकार की नीतिगत विफलता बताया।

बिहार में 'नीतीश युग' के अंत काउंटडाउन शुरू

▶▶ 14 अप्रैल को दे सकते हैं इस्तीफा, 15 को नई सरकार

एजेंसी । पटना

बिहार की राजनीति में दो दशकों से चला आ रहा 'नीतीश युग' एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्य की राजनीति छोड़ केंद्र का रुख करने की खबरों ने पटना से दिल्ली तक सियासी पारा चढ़ा दिया है। मंत्री विजय चौधरी के अनुसार, नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दोपहर 3:20 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

कैबिनेट की अंतिम बैठक और बड़े फैसले

10 अप्रैल को वे राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर अपनी नई संसदीय पारी की शुरुआत करेंगे। यह उनके सक्रिय राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश का औपचारिक कदम माना जा रहा है। नीतीश कुमार के 12 अप्रैल को पटना लौटने की उम्मीद है। चर्चा है कि 13 अप्रैल को वे अपनी कैबिनेट की आखिरी बैठक करेंगे। इस बैठक में वे कुछ लोक-लुभावन या महत्वपूर्ण प्रशासनिक फैसले ले सकते हैं, जो मुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल की आखिरी छाप होगी। सूत्रों के मुताबिक, 14 अप्रैल को नीतीश कुमार राजभवन जाकर अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप सकते हैं। इसके ठीक अगले दिन यानी 15 अप्रैल को बिहार में नई एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण की संभावना जताई जा रही है। नीतीश कुमार के 12 अप्रैल को पटना लौटने की उम्मीद है।

सीएम के नाम पर सस्पेंस

बिहार का अगला 'कप्तान' कौन होगा, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। हालांकि वर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे चल रहा है, लेकिन राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि बीजेपी नेतृत्व किसी 'सरप्राइज' नाम को आगे लाकर सबको चौंका सकता है। 10 अप्रैल को दिल्ली में होने वाली बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में पीएम मोदी और अमित शाह की मौजूदगी में नाम पर अंतिम मुहर लगेगी। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद एनडीए विधानमंडल दल की एक संयुक्त बैठक होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने किया कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित छठे कृषि विज्ञान कांग्रेस के शुभारम्भ के अवसर पर 'उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2025-26' के अंतर्गत 15 वैज्ञानिकों का सम्मान किया। वहीं, वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी के 30 वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं नवाचार पर विचार-विमर्श भी हुआ।

झारखंड स्वास्थ्य विभाग की तबादला सूची में चौंकाने वाला नाम

वीआरएस ले चुके डॉक्टर का प्रमोशन

▶▶ बना दिया रांची का उपनिदेशक

एजेंसी । चाईबासा

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। वर्ष 2020 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले चुके एक डॉक्टर का नाम वर्ष 2026 की तबादला एवं प्रोन्नति सूची में शामिल होने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है और पूरे मामले ने 'रिकॉर्ड बनाम हकीकत' की बहस छेड़ दी है।

रांची में दिखाया पदस्थापित

लेकिन हैरानी की बात यह है कि 24 मार्च 2026 को झारखंड स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी तबादला एवं प्रोन्नति सूची में उसी डॉ. अरुण कुमार का नाम न केवल शामिल है, बल्कि उन्हें सदर चाईबासा के चिकित्सा पदाधिकारी के पद से प्रोन्नत करते हुए क्षेत्रीय उपनिदेशक, रांची के पद पर पदस्थापित भी दिखाया गया है।

कैसे मिला प्रमोशन?

अब बड़ा सवाल यह है कि जो डॉक्टर 2010 से सेवा में नहीं हैं, उन्हें 2026 में प्रमोशन कैसे मिल गया? क्या विभाग के रिकॉर्ड अपडेट नहीं हुए, या फिर यह किसी गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है? या फिर कहीं ऐसा तो नहीं कि कागजों में ही सेवा जारी दिखाकर नियमों को दरकिनार किया गया हो? मामले को और पेचीदा बनाता है यह तथ्य कि डॉ. अरुण कुमार वर्तमान में चाईबासा में अपना निजी अस्पताल कर रहे हैं।

मुंबई में जियो का नेटवर्क सबसे आगे

▶▶ टीआरएआई रिपोर्ट में 5जी स्पीड और वॉइस क्वालिटी में अव्वल

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस जियो ने मुंबई और उपनगरों में अपने नेटवर्क प्रदर्शन से दूरसंचार क्षेत्र में नया मानक स्थापित किया है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (टीआरएआई) के फरवरी 2026 के स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (IDT) के अनुसार, जियो ने 5G डाउनलोड और अपलोड स्पीड, वॉइस कॉल क्वालिटी और कम लेटेंसी जैसे प्रमुख मानकों पर प्रतिस्पर्धियों से बढ़त बनाई है। टीआरएआई रिपोर्ट के मुताबिक, जियो ने औसतन 244.43 Mbps की 5G डाउनलोड स्पीड और 39.05 Mbps की अपलोड स्पीड दर्ज की।

वॉइस क्वालिटी और कम लेटेंसी में भी बढ़त

जो सभी ऑपरेटरों में सबसे अधिक है। इससे यूजर्स को तेज वीडियो स्ट्रीमिंग, स्मूद ऑनलाइन गेमिंग और बिना रुकावट इंटरनेट ब्राउज़िंग का अनुभव मिलता है, खासकर पीक आवर्स में भी। डेटा सेवाओं के साथ-साथ जियो ने वॉइस सेवाओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में कॉल सेटअप की उच्च सफलता दर, तेज कनेक्शन समय, बेहद कम कॉल ड्रॉप और साफ आवाज की पुष्टि हुई है। साथ ही, कम लेटेंसी के कारण वीडियो कॉल, वर्चुअल मीटिंग और रियल-टाइम गेमिंग में यूजर्स को बेहतर और रेस्पॉन्सिव अनुभव मिलता है।

उच्च घनत्व वाले इलाकों में भी मजबूत नेटवर्क

ड्राइव टेस्ट में मुंब्रा, दहिसर, तलोजा महापे, कोपर खैराणे, वाशी, घनसोली, ऐरोली और कलवा जैसे हाई-डेंसिटी इलाकों को शामिल किया गया। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों, औद्योगिक क्षेत्रों और अटल सेतु जैसे व्यस्त मार्गों पर भी जियो का नेटवर्क मजबूत और स्थिर पाया गया। बफर-फ्री स्ट्रीमिंग, एचडी वॉइस कॉलिंग और डिजिटल सेवाओं में बेहतर अनुभव के चलते जियो मुंबई और उपनगरों में मोबाइल यूजर्स की पहली पसंद बना हुआ है। कंपनी का फ्यूचर-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण इसे प्रतिस्पर्धा में आगे बनाए हुए है।

मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाएगी: वित्त मंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ऐसे लोगों को वित्त उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जिन्हें ऋण नहीं मिला है। यह योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि इन उद्यमियों की 2047 तक राष्ट्र को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में सक्रिय भागीदारी होगी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीतारमण ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने एक मौन बदलाव देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिक नए आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आए हैं।

इंटेलियस रिकोड लिमिटेड का IPO लाने की तैयारी, सेबी के पास DRHP दाखिल

एजेंसी । मुंबई

अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली कंपनी इंटेलियस रिकोड लिमिटेड ने इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया है। कंपनी एंटरप्राइज बिजनेस को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में सहयोग देती है और वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग के साथ 'एजेंटिक एआई' आधारित उत्पाद उपलब्ध कराती है। प्रस्तावित IPO में 117 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और 12.90 लाख इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

फंड का उपयोग और कारोबार का दायरा

कंपनी IPO से जुटाई गई राशि का उपयोग डिजिटल वर्कर्स के विकास, उनके लिए सब-कॉन्ट्रैक्टिंग लागत के भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी का कारोबार दो प्रमुख हिस्सों में बंटा है। टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग और एजेंटिक एआई आधारित डिजिटल वर्कर्स। टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग में डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, इंटीग्रेशन, डेवलपमेंट व ऑपरेशन और डिजिटल कॉमर्स सॉल्यूशंस शामिल हैं।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। हालांकि सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत (2% के उतार-चढ़ाव के साथ) पर रखने का लक्ष्य दिया है, लेकिन वर्तमान अनुमान बैंक के संतोषजनक दायरे के भीतर ही है। गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार, पहली तिमाही में महंगाई दर 4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जबकि बाद की तिमाहियों में इसमें क्रमिक बदलाव देखे जा सकते हैं।

रेपो रेट और मौद्रिक नीति का फैसला

मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं को देखते हुए, आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय लिया है। गवर्नर ने कहा कि बदलती आर्थिक वृद्धि और महंगाई के परिदृश्य पर नजर रखना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि फरवरी में खुदरा महंगाई दर 3.21 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

कमोडिटी बाजार में उतार-चढ़ाव

▶▶ क्रूड ऑयल धड़ाम, सोना-चांदी में जोरदार उछाल

एजेंसी । मुंबई

एमसीएक्स पर कमोडिटी बाजार में कुल 2.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर दर्ज हुआ, जिसमें बुलियन सेगमेंट में खासा जोश देखने को मिला। सोना वायदा करीब 3011 रुपये की बढ़त के साथ 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गया, जबकि चांदी वायदा में 14323 रुपये की बड़ी तेजी आई और यह 2.45 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

क्रूड ऑयल में भारी गिरावट, एनर्जी सेगमेंट दबाव में

एनर्जी सेगमेंट में भारी दबाव देखने को मिला, जहां क्रूड ऑयल वायदा 1920 रुपये यानी करीब 18 फीसदी टूटकर 8749 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। नैचुरल गैस में भी कमजोरी रही और यह करीब 5 फीसदी गिरकर 255.8 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर पहुंच गया। एनर्जी सेगमेंट में कुल 8836 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे हुए।

मेटल और कृषि जिंसों में मिला-जुला रुख, कुल कारोबार मजबूत

सोना-चांदी के वायदाओं में कुल 23293 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मेटल सेगमेंट में तांबा और जस्ता में हल्की तेजी रही, जबकि एल्यूमीनियम और सीसा में मामूली गिरावट दर्ज की गई। लेकिन कीमतों में गिरावट ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। वहीं कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल और कॉटन में नरमी रही, लेकिन कपास और इलायची में बढ़त देखने को मिली। ग्लोबल मार्केट के लिए राहत भरी खबर आई है। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति की बात कही। इस ऐलान के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 15% तक टूट गई और $100 प्रति बैरल के नीचे आ गई। कुल मिलाकर कमोडिटी वायदा में 35009 करोड़ रुपये और ऑप्शंस में 1.93 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

सीजफायर से बाजार मजबूत

▶▶ सेंसेक्स 2983 अंक चढ़ा

▶▶ क्रूड के भाव में 13.89 प्रतिशत की गिरावट

एजेंसी । मुंबई

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर का एलान दुनिया के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार के लिए भी राहत लेकर आया। बुधवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक लंबी छलांग लगाकर बंद हुए। लगातार पांचवें दिन तेजी दर्ज करते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक या 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसमें 3,018.96 अंक या 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 77,635.54 पर पहुंच गया।

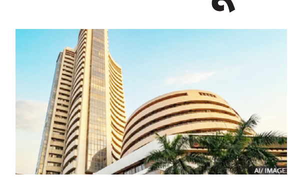

क्रूड के भाव में 13.89 प्रतिशत की गिरावट

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 13.89 प्रतिशत गिरकर 94.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी 6.87 प्रतिशत और जापान का निक्केई 225 सूचकांक 5.39 प्रतिशत बढ़ा। शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी तेजी से ऊपर चढ़े। यूरोपीय बाजारों में काफी तेजी देखी गई।

शमी से बचकर रहना होगा कोलकाता को

एजेंसी। कोलकाता

आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) अब तक अपनी पहली जीत की तलाश में है। टीम का पिछला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे उसे एक अंक जरूर मिला, लेकिन प्रदर्शन के लिहाज से टीम अब भी संघर्ष कर रही है। अब तक खेले गए शुरुआती तीन मुकाबलों में कोलकाता का प्रदर्शन फीका रहा है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी-दोनों विभागों में टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी है, जिससे अंक तालिका में स्थिति कमजोर बनी हुई है।

मध्यक्रम में बदलाव की तैयारी

मध्यक्रम में रचिन रवींद्र को मौका मिलने की संभावना है, जो बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी देते हैं। इससे टीम को संतुलन मिलेगा। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को छोड़कर टीम का कोई भी खिलाड़ी निरंतरता नहीं दिखा पाया है। रिंकू सिंह ने भी सिर्फ एक मैच में प्रभाव छोड़ा है, जिससे टीम को मजबूती नहीं मिल पा रही। टीम के स्टार स्पिनर सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती अब तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। यह टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।पंजाब के खिलाफ अस्वस्थ रहने के बाद नारायण और चक्रवर्ती की अंतिम एकादश में वापसी हो सकती है। साथ ही मिस्ट्री स्पिनर दक्ष कामरा को भी मौका दिया जा सकता है।

लखनऊ के खिलाफ करिश्मे की उम्मीद

गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ मुकाबले में टीम एक नई शुरुआत की उम्मीद करेगी। घरेलू मैदान ईडन गार्डंस पर खेलते हुए कोलकाता जीत का खाता खोलना चाहेगी। अजिंक्य रहाणे और फिन एलेन की सलामी जोड़ी अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है। खासतौर पर रहाणे ओपनर के रूप में फिट नहीं बैठ रहे, जिससे टीम संयोजन पर सवाल उठ रहे हैं। टीम अब फिन एलेन के साथ टिम साइफर्ट को मौका दे सकती है। न्यूजीलैंड की यह जोड़ी टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर चुकी है और पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखती है।

पिच

शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती जाएगी दे दना रन बनते जाएंगे। छोटी बाउंड्री के चलते खूब रन बनते हैं।

कैमरन ग्रीन से बड़ी पारी की उम्मीद

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल कैमरन ग्रीन अब तक पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं। उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 24 रन बनाए हैं और गेंदबाजी भी नहीं कर पाए हैं। टीम उनसे बड़ी पारी की उम्मीद कर रही है। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। उनके अलावा प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी की गेंदबाजी का सामना करना भी कोलकाता के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स आत्मविश्वास से भरी टीम है। कप्तान ऋषभ पंत ने पिछले मैच में नाबाद 68 रन बनाए थे। उनके साथ मिचेल मार्श और एडेन मार्करम की मौजूदगी टीम को बेहद मजबूत बनाती है।

मौसम

बुधवार देर रात और गुरुवार की सुबह बारिश होने की संभावना है। हालांकि शाम को इस पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहने का अनुमान है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 6
लखनऊ जीता	: 4
कोलकाता जीता	: 2

नंबर गेम

4 रन से हराया था लखनऊ ने कोलकाता को ईडन गार्डंस में पिछले साल खेले गए एकमात्र मुकाबले में

3 मैच ईडन गार्डंस में दोनों ने खेले हैं जिसमें से लखनऊ ने दो और कोलकाता ने एक में जीत दर्ज की है

रुतुजा-अंकिता ने भारत को क्लीन स्वीप से बचाया

एजेंसी। नई दिल्ली

बिली जीन किंग कप टेनिस के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक में भारत को अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। मंगलवार को शुरू हुए इस मुकाबले में बारिश ने बाधा डाली थी, जिसके कारण मैच बुधवार तक खिंच गए। हालांकि भारत को वापसी की उम्मीद थी, लेकिन थाईलैंड की टीम शुरुआती एकल मैचों में बढ़त बनाने में सफल रही।

एकल मुकाबलों में मिली निराशाजनक हार

प्रतियोगिता के पहले दिन वैष्णवी अडकर को थाईलैंड की औचिसा चांता ने सीधे सेटों में 1-6, 3-6 से हरा दिया था। बुधवार को जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तो भारत को सहजा यमलापल्ली से काफी उम्मीदें थीं। विश्व रैंकिंग में 384वें स्थान पर काबिज सहजा का मुकाबला रैंकिंग में 449वें नंबर की खिलाड़ी पैचरिन चीपचंदेज से था। दो घंटे 25 मिनट तक चले इस कड़े संघर्ष में सहजा को 4-6, 6-1, 4-6 से हार झेलनी पड़ी, जिससे भारत यह मुकाबला गंवा बैठा। भले ही भारत एकल मैच हारकर मुकाबला गंवा चुका था, लेकिन रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए क्लीन स्वीप के खतरे को टाल दिया। भारतीय जोड़ी ने थासापोर्न नाकलो और पेंगटार्न प्लिप्यूच को महज एक घंटे 11 मिनट में 6-3, 6-4 से मात दी।

न्यूज़ ब्रीफ

तेजस तिवारी लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल

हल्द्वानी। उत्तराखंड में हल्द्वानी के तेजस तिवारी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने प्रमाणपत्र प्रधान किया है। यह उन्हें जून 2023 में पांच वर्ष, पांच महीने और सात दिन की आयु में सबसे कम उम्र के फीडे रैंक के शतरंज खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाने पर दिया गया है। प्रमाणपत्र की जारी तिथि जून 2024 है, जबकि यह अप्रैल 2026 में प्राप्त हुआ। तेजस की यह उपलब्धि पूर्व में दर्ज हो चुकी है और अब आधिकारिक प्रमाणपत्र प्राप्त होने से इसकी औपचारिक पुष्टि हुई है। दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल हल्द्वानी के कक्षा तीन के छात्र तेजस 3.5 वर्ष की आयु से शतरंज खेल रहे हैं और कम उम्र में ही देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान कर दिया है। 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स में चार मैचों की सीरीज खेली जाएगी, जो आगामी हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। टीम की कमान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है।फॉरवर्ड दीपिका की रिहैब के बाद वापसी से टीम को बड़ा बल मिला है, खासकर ड्रैग-फ्लिकिंग में उनकी भूमिका अहम रहेगी। वहीं अनुभवी गोलकीपर सविता की भी टीम में वापसी हुई है, जिससे डिफेंस और मजबूत हुआ है।

थाईलैंड से हार के बाद भारत ने न्यूजीलैंड पर बढ़त ली

एजेंसी। नई दिल्ली

युवा टेनिस खिलाड़ी वैष्णवी अडकर ने बिली जीन किंग कप के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक में भारत को बेहतरीन शुरुआत दिलाई है। बुधवार को खेले गए पहले एकल मुकाबले में वैष्णवी ने न्यूजीलैंड की आइशी दास को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली है। गौरतलब है कि अपने पदार्पण मैच में मंगलवार को हार का सामना करने वाली वैष्णवी ने इस मैच में जबरदस्त

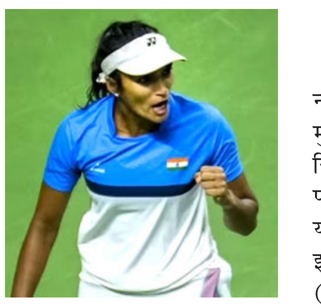

वापसी करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उस दौरान रुतुजा और अंकिता ने अपना युगल मैच तो जीता था, लेकिन सहजा की एकल मैच में हार के कारण टीम इंडिया पिछड़ गई थी।

आगामी मुकाबले और पिछले प्रदर्शन का दबाव

न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मुकाबले को जीतने की जिम्मेदारी अब अन्य खिलाड़ियों पर है। दूसरे एकल मैच में सहजा यमलापल्ली का सामना वैलेंटिना इवानोव से होगा, जबकि युगल (डबल्स) मुकाबले में रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की अनुभवी जोड़ी मोनिक बैरी और एरिन रूटलिफ से टकराएगी। भारत के लिए यह जीत इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पहले मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी।

चोट के कारण झेंग क्विनवेन स्टटगार्ट ओपन से हटीं

एजेंसी। बर्लिन

चीन की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी झेंग क्विनवेन ने चोटिल होने की वजह से अगले सप्ताह शुरू होने वाले डब्ल्यूटीए 500 स्टटगार्ट इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने बुधवार को इस खबर की पुष्टि की। झेंग के हटने का मतलब है कि 2026 सीजन के क्ले-कोर्ट सत्र में उनकी पहली उपस्थिति अब कुछ समय के लिए टल गई है। झेंग की जगह अब दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी, फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। झेंग क्विनवेन को आखिरी बार मार्च में मियामी ओपन (डब्ल्यूटीए 1000) के दौरान कोर्ट पर देखा गया था।

पिस्टल में पुरुषों के निशाने चूके, 25 मीटर में महिला दावेदार

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्रेनाडा। स्पेन के ग्रेनाडा में आयोजित आईएसएसएफ (ISSF) पिस्टल/राइफल विश्व कप में भारतीय पुरुष निशानेबाजों के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा निराशाजनक रही। मिश्रित टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर शानदार शुरुआत करने वाली भारतीय टीम एकल स्पर्धा में अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। भारत के तीनों प्रमुख निशानेबाज क्वालीफिकेशन राउंड की बाधा पार करने में विफल रहे और शीर्ष आठ निशानेबाजों के फाइनल में अपनी जगह नहीं बना सके। मिश्रित टीम स्पर्धा के चैंपियन युवा निशानेबाज मुकेश नेलावल्ली 579 के

स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे। इसी स्पर्धा में चीन के विश्व नंबर एक खिलाड़ी हू काई भी 15वें स्थान पर रहकर बाहर हो गए, जबकि पेरिस ओलंपिक स्वर्ण विजेता यू शी ने 588 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में उम्मीदें बरकरार

पुरुष वर्ग में मिली निराशा के बीच महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारतीय उम्मीदें अभी भी जीवित हैं। ओलंपियन रिदम सांगवान ने प्रीसीजन चरण के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 292 का स्कोर बनाया और छठे स्थान पर काबिज हैं। वहीं, दिव्या टीएस 291 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर बनी हुई हैं। हालांकि, तीसरी भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बराड़ 282 के स्कोर के साथ 45वें स्थान पर पिछड़ गई हैं।

अगले चरण की तैयारी और फाइनल की रेस

प्रतियोगिता का निर्णायक मोड़ गुरुवार को आएगा, जब 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का दूसरा चरण यानी 'रैपिड चरण' आयोजित किया जाएगा। रिदम सांगवान और दिव्या टीएस के पास फाइनल में जगह बनाने का मजबूत मौका है, क्योंकि इस चरण के बाद कुल स्कोर के आधार पर शीर्ष आठ निशानेबाज ही पदक की जंग (फाइनल) में प्रवेश करेंगे। अन्य भारतीयों में उज्जवल मलिक 577 के स्कोर के साथ 22वें स्थान पर रहे, जबकि प्रमोद 574 का स्कोर बनाकर 86 निशानेबाजों की सूची में 39वें पायदान पर रहे।

बॉ ली वु ड

रिलीज से पहले लीक हुई 'वाराणसी' की कहानी

साउथ के जाने-माने स्टार महेश बाबू और डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी इन दिनों काफी खबरों में है। फिल्म वाराणसी को लेकर एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले फिल्म वाराणसी से महेश बाबू का लुक सामने आया था। फिल्म वाराणसी से सामने आए महेश बाबू के लुक को लोगों ने काफी पसंद किया था। इन अपडेट्स के सामने आने के बाद फैंस फिल्म का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। इन इन सब के बीच फिल्म वाराणसी की स्टोरी से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। तो चलिए जानते हैं क्या है पूरी खबर। महेश बाबू की अपकमिंग फिल्म वाराणसी एक बार फिर से खबरों में आ गई है। इसकी वजह फिल्म से जुड़ा एक अपडेट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की कहानी ऑनलाइन लीक हो गई है। एसएस राजमौली की फिल्म पर काम कर रही वीएफएक्स कंपनी ने प्रोजेक्ट की ज्यादा डिटेल्स बताए बिना सिनोप्सिस के अपलोड कर दी। ये सिनोप्सिस अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया है। सिने साइट की वेबसाइट पर दी गई सिनोप्सिस में लिखा है कि 'एक शिव भक्त समय के पार एक खतरनाक यात्रा पर निकलता है ताकि एक खोए हुए ब्रह्मांडीय शक्तिशाली वस्तु को ढूंढ सके। जैसे-जैसे वो सदियों से छिपे प्राचीन रहस्यों को जोड़ता है, उसे अपनी मिशन की सच्चाई का पता चलता है वो ताकत जो उसे इस रास्ते पर ले आई है, वो एक चालाक मास्टरमाइंड है जिसका सपना है पूरी दुनिया पर हमेशा के लिए पूर्ण नियंत्रण।' बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म वाराणसी को दो पार्ट में बांटा जा सकता है। डेवलपमेंट से जुड़े एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, 'वाराणसी के लिए तीन घंटे से ज्यादा समय भी काफी नहीं होगा। वे इसे दो भागों में बनाने पर विचार कर रहे हैं।' साथ ही उन्होंने कहा, 'राजमौली और उनकी टीम को लगता है कि इस विस्तार वाले फॉर्मेट से उन्हें बिना कहानी को और ज्यादा विस्तार से बताने की आजादी मिलेगी।' महेश बाबू की फिल्म वाराणसी अगले साल यानी अप्रैल 2027 को बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में महेश बाबू के साथ-साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम रोल में है।

तमिल सिनेमा में डेब्यू को तैयार अपारशक्ति खुराना

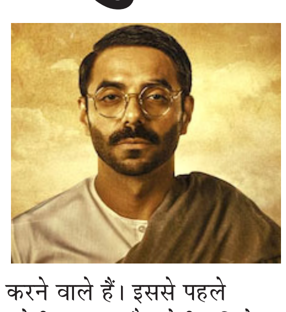

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। मीडिया से बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है। अभिनेता ने आगे कहा कि एक अभिनेता के रूप में मैं अब तक जो कर चुका हूं उससे कुछ अलग करना चाहता था और एक नई कला सीखना चाहता था, जो इस मामले में एक नई भाषा है। अभिनय के लिहाज से तो यह बहुत अलग नहीं था, लेकिन मुझे एक्शन के मामले में थोड़ा अलग तरीके से काम करना पड़ा। मैंने हिंदी फिल्मों में ज्यादा एक्शन नहीं किया है, इसलिए यही मेरे अभिनय

अल्लू अर्जुन की 'राका' का ऐलान

अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज देते हुए अपनी अगली फिल्म 'राका' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक एटली के साथ बन रही इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें अल्लू अर्जुन का अब तक का सबसे अलग और चौंकाने वाला अवतार देखने को मिला। जारी पोस्टर में अल्लू अर्जुन एक डार्क और इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे का एक हिस्सा भेड़िए जैसे फर और नुकीले पंजों वाले हाथ से ढका हुआ है, जबकि उनकी काजल से सजी आंखें ध्यान खींचती हैं। आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ यह लुक फिल्म के रहस्यमयी और हाई-ऑक्टेन एक्शन की ओर इशारा करता है। यह फिल्म अपने स्केल और स्टार पावर के चलते पहले से ही चर्चा में है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब अल्लू अर्जुन और दीपिका बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। 'पुष्पा' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन से इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें काफी ऊंची हैं। अपने करियर में लगातार नए प्रयोग करने वाले अभिनेता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अलग और बड़े सिनेमा के लिए जाने जाते हैं। 'राका' को एक भव्य पैन-इंडिया सिनेमाई अनुभव के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए एक नया विजुअल ट्रीट साबित हो सकता है।

'कॉकटेल 2' का नया गाना रिलीज

'कॉकटेल 2' का पहला गाना 'जब तलक' रिलीज हो गया है, जिसमें शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना का कूल और एनर्जेटिक अंदाज देखने को मिल रहा है। यह गाना पार्टी वाइब के साथ दर्शकों को झूमने पर मजबूर करता है। गाने को अरिजीत सिंह और अकासा सिंह ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और संगीत प्रीतम चक्रवर्ती ने दिया है। वीडियो में शाहिद कपूर का 'माइकल जैक्शन' स्टाइल डांस खास आकर्षण बना हुआ है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को सबसे पहले सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2: द रिवेंज' के साथ रिलीज किया गया था, जिसके बाद अब इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जारी किया गया है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी 'कॉकटेल 2' 2012 की फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म एक लव ट्रायएंगल पर आधारित है।

'श्री बाबा नीब करौरी महाराज' का टीजर रिलीज

सुबोध भावे की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'श्री बाबा नीब करौरी महाराज' का आधिकारिक टीजर जारी कर दिया गया है। अनीशा फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने किया है। पौराणिक और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म दर्शकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर रही है। टीजर में सुबोध भावे को नीम करोली बाबा के किरदार में दिखाया गया है। इसमें उनके आध्यात्मिक जीवन, चमत्कारों और भक्तों के साथ उनके संबंधों की झलक देखने को मिलती है। फिल्म बाबा के जन्म से लेकर 1973 में उनकी महासमाधि तक की पूरी यात्रा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करेगी। फिल्म में हितेन तेजवानी, समीक्षा भटनागर, मोहित गुप्ता और हेमंत पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

DBD
दो बजे दोपहर
मुंबई, गुरुवार, 9 अप्रैल 2026

शांति की नई सुबह!

एजेंसी । तेहरान/वाशिंगटन

बुधवार की यह सुबह जैसे किसी लंबे, डरावने सपने के बाद आई सुकून भरी नींद की तरह थी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जंग थम गई है, दोनों देश 2 सप्ताह के लिए सीजफायर को राजी हो गए हैं। इस फैसले के बाद पिछले 40 दिनों से खौफ के साए में जी रहे मिडिल ईस्टन के करोड़ों लोगों ने आज राहत की सांस ली होगी। अब उन्हें ये डर नहीं होगा कि कोई मिसाइल आकर उनके पास फट पड़ेगी, कोई ड्रोन उनकी बिल्डिंग से टकराकर नहीं फटेगा। खतरे का सायरन नहीं नहीं बजेगा और लोगों को घंटों बंकर में नहीं रहना पड़ेगा। भारत में एलपीजी की किल्लहत भी दूर हो जाएगी। गैस सिलेंडर लेकर लाइनों में खड़े नजर नहीं आएंगे।

- अमेरिका-ईरान के बीच 14 दिन के संघर्षविराम पर सहमति
- चीन और पाकिस्तान, दोनों मध्यस्थ बने
- ईरान ने होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित आवागमन की इजाजत दी
- जंग में अब तक 1,900 से ज्यादा ईरानी मारे गए, लेबनान में 1,500 से ज्यादा मौतें हुईं
- 13 अमेरिकी सैनिकों की जान गई

40 दिन में हजारों लोगों की गई जान

इस जंग को जिन देशों के लोगों ने सबसे नजदीक से देखा और सबसे ज्या दा नुकसान झेला, वे हैं- ईरान और इजरायल। ईरान पर इजरायल और अमेरिका मिलकर हमले कर रहे थे। हजारों मिसाइल, ड्रोन और बम ईरान पर दागे गए। इस दौरान 3000 से ज्यादि लोगों की जान चली गई। इसमें महिलाएं और मासूम बच्चेर भी शामिल हैं। उधर, ईरान ने भी मिसाइल और ड्रोन इजरायल में दागे। इजरायल में बीते 40 दिनों में हालात ये थे कि कभी भी हमले का सायरन बज जाता था। सायरन बजते ही लोगों को नजदीकी बंकरों में जाना होता था। इन बंकरों से तब तक निकलने की इजाजत नहीं थी, जब तक खतरा टलने का सायरन न बज जाए। लेकिन अगले 2 हफ्ते के लिए इजरायल के लोगों को घंटों बंकरों में नहीं गुजारने होंगे। ईरान युद्ध के बाद की ये सुबह शांति का संदेश लेकर आई है। अब मिसाइल और ड्रोन गिरने का डर नहीं होगा। मिडिल ईस्टई से भारत तक करोड़ों लोग अब यही दुआ कर रहे होंगे कि ये शांति ऐसे ही बरकरार रहे। हालांकि, अब सवाल ये उठ रहा है कि क्या 14 दिनों का ये संघर्षविराम स्था यी रहेगा? क्यो ईरान और अमेरिका के बीच जंग को खत्मे करने को लेकर सहमति बन पाएगी? क्यां ईरान और अमेरिका एक-दूसरे की शर्तों को मानेंगे?

खौफ के साए से आज़ाद हुआ आसमान

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर एक के बाद एक कई मिसाइल हमले किये। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली हुसैनी ख़ामेनेई समेत कई दिग्ग ज नेता मारे गए। इसके बाद ईरान ने मिडिल ईस्टई में जो कहर बरपाया, उसके बाद लोग त्राहिमाम करने लगे। सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई में ईरान ने सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। तेल रिफाइनरियों से लेकर रिहायशी इमारतों तक को ईरान ने नहीं बख्शाई। लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन अटैक के डर से यहां का एयर स्पेस बंद करना पड़ा। ऐसे में लाखों लोग मिडिल ईस्ट में फंस गए। लेकिन अब मिडिल ईस्ट का आसमान सुरक्षित है। कुछ दिनों में इन देशों में यात्री विमानों की आवाजाही भी शुरू हो जाएगी।

खौफ के 40 दिन, अब 15 दिन का सीजफायर

पिछले 40 दिन मिडिल ईस्टस के देशों खासतौर पर सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई के लोगों के लिए खौफ के साए में बीते। लोगों में डर था कि कब कहां से कोई आत्मोघाती ड्रोन या मिसाइल आकर फट पड़े। लोग घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे थे। सऊदी अरब और बहरीन की तेल रिफाइनरियों पर ईरान के कई मिसाइल और ड्रोन अटैक हुए। दुबई में बुर्ज खलीफा के नजदीक तक ईरान की मिसाइलें पहुंच गईं। मिडिल ईस्टि में ईरान के हमलों में कई मासूम लोगों की जान चली गई। लेकिन फिलहाल 2 हफ्ते के लिए ये डर खत्मइ हो गया है। ईरान, अमेरिका और इजरायल तीनों ने ही हमलों को विराम लगा दिया है।

रसोई तक राहत

भारत समेत कई देशों में ईरान युद्ध के दौरान ऊर्जा संकट के बादल मंडराए। भारत में गैस एजेंसियों के बाहर एलपीजी सिलेंडरों के साथ लोगों की लंबी-लंबी लाइनें नजर आईं। ये ईरान युद्ध का डर था, जिसकी वजह से लोग 'पैनिक बाइंग' कर रहे थे। हालांकि, केंद्र सरकार ने कई बार बताया कि देश में फिलहाल पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का कोई संकट नहीं है। देश के पास पर्याप्ता भंडार है। हालांकि, जंग थमने के बाद लोगों के दिलों में बैठा डर निकल जाएगा। ऐसे में पैनिक बाइंग भी थम सकती है। जंग के बीच कई कच्चो तेल और गैस के जहाज होर्मुज स्ट्रे ट से भारत आए, लेकिन काफी जहाज अभी तक फंसे हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे बड़ा संकट बताया था। इधर, मिडिल ईस्टक संकट के कारण कच्चेथ तेल के दाम वैश्विक स्तभर पर बढ़ रहे थे, तो तेल कंपनियों पर कीमतें बढ़ाने का दबाव आने लगा। ऐसे में केंद्र सरकार को एक्साइज ड्यूटी को घटाना पड़ा। जंग के कारण रुपया भी डॉलर के मुकाबले पिछड़ता जा रहा था। हालांकि, अब हालात सुधरने शुरू हो गए हैं।

आगे क्या होगा?

होर्मुज

दो हफ्ते के संघर्षविराम की योजना के बाद ईरान और ओमान को होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की छूट मिल जाएगी। ईरान यह पैसा पुनर्निर्माण में लगाएगा। जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन ईरानी सैन्य प्रबंधन के तहत होगा। यह जलडमरूमध्य ओमान और ईरान दोनों के समुद्री क्षेत्र में है। दुनिया हमेशा से इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानती रही है और कभी टोल नहीं चुकाती थी। अगर शांति वार्ता विफल हुई तो तेहरान फिर से जलडमरूमध्य बंद कर सकता है।

इस्लामाबाद में बातचीत

ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों को पाकिस्तान ने 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमंत्रित किया है। ईरानी सरकारी मीडिया ISNA के अनुसार, ईरान की वार्ता टीम का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ करेंगे, जबकि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के करने की उम्मीद है। ईरानी सरकारी मीडिया ने स्पष्ट किया कि ये वार्ता युद्ध का अंत नहीं है। ईरान के इस बयान से पाकिस्तान की खुद की पीठ थपथपाने की कोशिशों को झटका लग सकता है।

इस्राइल

इस्राइल में इस संघर्षविराम को लेकर चिंताएं हैं। इस्राइल इस जंग में और ज्यादा हासिल करना चाहता था। हालांकि, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के फैसले का समर्थन किया है, लेकिन साफ कहा कि लेबनान को इस 14 दिन के संघर्षविराम में शामिल नहीं किया जाएगा।

अमेरिका बातचीत

बीबीसी के अनुसार अमेरिका, जो कभी खुद को वैश्विक स्थिरता की ताकत कहता था, अब खुद ही अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नींव हिला रहा है। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेसमैन जोकिन कास्त्रो कहा, यह साफ है कि राष्ट्रपति का पतन जारी है और वे नेतृत्व करने के योग्य नहीं हैं।

डोनाल्ड ट्रंप

'दो हफ्ते' ट्रंप का पसंदीदा समय अंतराल बन गया है, जब वे बड़े फैसलों में खुद को वक्त देना चाहते हैं। पिछले गर्मियों में भी व्हाइट हाउस ने कहा था कि दो हफ्तों में ईरान पर बमबारी का फैसला होगा, लेकिन उससे पहले ही हमले हो गए। रूस-यूक्रेन युद्ध की बातचीत में भी ट्रंप ने दो हफ्ते की समयसीमाएं दीं, जो बहुत कम काम आईं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 15 महीनों में बार-बार बड़ी मांगें रखीं और फिर उन्हें वापस लिया।

ईरान कमजोर होने के बावजूद कैसे टिका रहा?

यही इस पूरे युद्ध का सबसे चौंकाने वाला पहलू है। ईरान ने साबित किया कि वह 13,000 से ज्यादा हमले झेलकर भी एक असरदार युद्ध लड़ सकता है। तेल आपूर्ति बाधित कर सकता है और अमेरिकी बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले कर सकता है। ईरान ने इस्राइल के कब्जे वाले इलाकों और खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की बाढ़ लगा दी। हफ्तों की बमबारी के बाद भी उसकी मिसाइल क्षमता मजबूत रही।

संघर्षविराम में ईरान की जीत कैसे?

तेहरान टाइम्स के अनुसार, अमेरिका जिन शर्तों पर राजी हुआ है, उनमें ऐसी कई शर्तें हैं, जिन्हें वह पहले खारिज कर चुका था। यह ईरान की जीत है। ये शर्तें हैं-

- ईरान पर सभी प्रतिबंधों को हटाना।
- होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण बनाए रखना।
- पश्चिम एशिया से अमेरिकी सेना की वापसी।
- ईरान और उसके सहयोगियों पर हमले बंद करना।

ईरान की जनता मना रही खुशी।

ऐसा क्या हुआ, जो ईरान की सभ्यता खत्म करने की धमकी से पीछे हट गए ट्रंप

28 फरवरी की सुबह जब अमेरिका ने ईरान पर ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू किया था, तो व्हाइट हाउस में यकीन था कि यह जंग कुछ दिनों तक चलेगी जरूर, लेकिन इसमें रणनीति वेनेजुएला जैसा होगी- तेज, साफ और निर्णायक। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा था कि ईरान झुक जाएगा, लेकिन छह हफ्ते और 13,000 से ज्यादा हमलों को झेलने के बाद तस्वीर अलग नजर आई। ईरान ने न सिर्फ मिसाइलें दागना जारी रखा, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अपनी मुट्ठी में कसे रखा। आखिरकार वह हुआ, जो किसी ने नहीं सोचा था। ट्रंप ने सर्वनाश की धमकी वापस ली और 14 दिन का संघर्षविराम स्वीकार कर लिया।

पहली वजह : जंग लंबी चलने का डर

ट्रंप ने आखिरकार यह सच स्वीकार किया कि अगर युद्ध बढ़ता रहा तो अमेरिका उसी किस्म के अंतहीन युद्ध में फंस सकता है, जिसमें उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपति फंसे थे। ट्रंप ने ऐसी ही स्थिति में अमेरिका को डालने से बचने का वादा मतदाताओं से किया था।

दूसरी वजह : होर्मुज ने अमेरिका को बुरा फंसाया

होर्मुज में गतिरोध की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं। खाड़ी के कई देश अमेरिका के इस युद्ध में फंसा हुआ महसूस कर रहे थे। ट्रंप चाहते थे कि या तो दुनिया के देश होर्मुज को खुलवाएं या फिर वे अमेरिका से तेल खरीदें। इस बीच, भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति हो रही थी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना था कि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य पर जल्दी नियंत्रण कर सकती थी, लेकिन उसे बनाए रखना एक बहुत लंबा, महंगा और जोखिम भरा अभियान होता। नॉनप्रॉफिट बैटल रिसर्च ग्रुप के कार्यकारी निदेशक और सेवानिवृत्त मरीन कोर खुफिया अधिकारी बेन कॉनेबल ने बताया कि होर्मुज को सुरक्षित रखने के लिए अमेरिकी सेना को किश द्वीप से बंदर अब्बास तक करीब 600 किलोमीटर ईरानी क्षेत्र पर नियंत्रण रखना होता।

तीसरी वजह : ट्रंप का गलत अनुमान

ट्रंप को यकीन था कि यह वेनेजुएला जैसा होगा- त्वरित और निर्णायक। वे जून में ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी के बाद ईरान की कमजोर प्रतिक्रिया और जनवरी में वेनेजुएला निकोलस मादुरो को उनके परिसर से पकड़ने वाली कमांडो छापेमारी से उत्साहित थे। जब सलाहकारों ने होर्मुज बंद होने की आशंका के बारे में बताया, तो ट्रंप ने उसे यह मानते हुए खारिज कर दिया।